mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-125 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़ 07 मई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बंगाल हार के बाद अखिलेश ने आईपैक से कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा

कहा– मेरे पास पैसे नहीं ; ममता का चुनावी कैंपेन इसी कंपनी ने संभाला था

लखनऊ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद समाजवादी पार्टी ने चुनावी रणनीति बनाने वाली कंपनी I-PAC (आई-पैक) के साथ करार तोड़ दिया है। अखिलेश ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हां, हमारा संबंध उनसे था। कुछ महीने हमारे साथ उन्होंने काम किया। लेकिन, अब हम साथ काम नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि हमारे पास फंड की कमी है, हम इतने फंड नहीं दे सकते हैं। अखिलेश ने कहा- कुछ लोगों ने हमें चुनाव जितवाने वाली कंपनी के बारे में बताया है। सलाह दी है कि सी-वोटर्स से सर्वे कराइए। एक ड्रूरू कंपनी है, उसको साथ रखिए। सोशल मीडिया पर किसी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार करना हो तो 360 डिग्री कंपनी से जुड़िए। उसको फंडिंग करिए। आई-पैक ही बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का चुनावी कैंपेन देख रही थी। यूपी में 2027 के लिए अखिलेश ने अपनी चुनावी रणनीति काम आई-पैक को ही सौंप रखा था। I-PAC ने ही 2021 में तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिम बंगाल में टीएमसी को जीत दिलाने में मदद की थी।

कोर्ट बोला: क्रूज के पायलट और स्टाफ पर एफआईआर हो

जबलपुर में लोगों को डूबता छोड़कर भागे; पुलिस से दो दिन में मांगी रिपोर्ट

जबलपुर,एजेंसी। जबलपुर की कोर्ट ने बरगी डैम हादसे में क्रूज के पायलट और स्टाफ पर FIR के निर्देश दिए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डीपी सूत्रकार की कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर कहा- पायलट ने लापरवाही से क्रूज चलाया, जिससे हादसा हुआ और कई लोगों की मौत हो गई।

अदालत ने मंगलवार को कहा कि पायलट क्रूज की गतिविधियों से परिचित था, लेकिन वह उसमें सवार लोगों को डूबता छोड़कर सुरक्षित बाहर निकल गया। यह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 106 और 110 के तहत अपराध है। यदि FIR और जांच नहीं हुई, तो भविष्य में भी क्रूज या नाव चलाने वाले लोग अनहोनी में यात्रियों को डूबता छोड़ सकते हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है।

बता दें कि जबलपुर के बरगी डैम में 30 अप्रैल को क्रूज डूबने से 13 लोगों की जान चली गई थी। इनमें 8 महिलाएं, 4 बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं।

करीब 60 घंटे के रेस्क्यू के बाद पानी से सभी शव निकाले जा सके।

केस की सुनवाई सीधे कोर्ट में होगी: मजिस्ट्रेट ने कहा कि पहली नजर में यह मामला गंभीर लापरवाही का प्रतीत होता है, जिसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से हाईवे डूबा, घरों में पानी

यूपी के गाजियाबाद में ओले गिरे, म.प्र.-बिहार में बारिश; राजस्थान में तापमान 40डिग्री से नीचे

आंधी-बारिश ने मचाई तबाही, सड़कों पर बिछ गए पेड़;

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना,एजेंसी। उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए। यूपी के गाजियाबाद में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के कारण पूरे यूपी में अधिकतम तापमान 40डिग्री से नीचे आ गया है।

इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान में बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी सभी शहरों में तापमान 40डिग्री से नीचे रहा। इधर, बिहार और मध्य प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे में 89.7 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 182% अधिक है। राज्य में 7 मई तक आंधी-बारिश जारी रहेगी। म.प्र.के 28 जिलों में बुधवार को तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट है।

उत्तर भारत में फिर से गर्मी शुरू होने की संभावना: भारतीय मौसम के लिहाज से आने वाले दिन काफी उथल-पुथल भरे साबित हो सकते हैं। एक तरफ जहां अरब सागर में मानसून-पूर्व चक्रवाती तूफान के संकेत मिल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ राहत दे रही बारिश और तेज हवाओं के थमने के बाद उत्तर भारत में गर्मी का नया दौर शुरू होने जा रहा है।

बंगाल में 9 मई को भाजपा सरकार की शपथ

ममता-अभिषेक की सुरक्षा हटाई; विजय ने तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया

तिरुवनंतपुरम/ पुडुचेरी/ चेन्नई/ कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का शपथ समारोह 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे होगा। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बताया कि 8 मई को विधायक दल की बैठक होगी।

वहीं ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के आवास समेत कैमैक स्ट्रीट स्थित पार्टी मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा हटा दी गई। हालांकि उन्हें पहले की तरह ज़ेड-कैटेगरी सुरक्षा मिलती रहेगी।

तमिलनाडु में TVK चीफ विजय बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। TVK ने 108 सीटें जीती हैं। सरकार बनाने के लिए 118 विधायक चाहिए।

फिलहाल TVK को 5 विधायकों वाली कांग्रेस का समर्थन मिल चुका है। उन्हें अभी भी 5 विधायकों का समर्थन चाहिए।

संदेशखाली में सुरक्षाबलों पर फायरिंग, बम से भरा बैग मिला : नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली स्थित बामनघेरी इलाके में मंगलवार रात गश्त कर रही पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमला हुआ। उपद्रवियों ने फायरिंग की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।घायलों में नाजाट थाने के ऑफिसर इन-चार्ज, एक कांस्टेबल, एक महिला पुलिसकर्मी और केंद्रीय बलों के दो जवान शामिल हैं।

हिमंता बोले- शपथ ग्रहण समारोह 11 मई के बाद होगा

असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद कहा- नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 11 मई के बाद होगा क्योंकि हमने प्रधानमंत्री को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा, सुरक्षाबलों पर फायरिंग, 5 घायल

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हो गई हैं। नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली स्थित बामनघेरी इलाके में मंगलवार रात गश्त कर रही पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमला हुआ। उपद्रवियों ने फायरिंग की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में नाजाट थाने के ऑफिसर इन-चार्ज, एक कांस्टेबल, एक महिला पुलिसकर्मी और केंद्रीय बलों के दो जवान शामिल हैं। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग जगहों पर 4 लोगों की हत्या कर दी हई। इनमें भाजपा और TMC के 2-2 कार्यकर्ता हैं। भाजपा ने उत्तर 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में अपने दो कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप TMC पर लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, संसद के अगले सत्र में बिल पेश होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम सरकार को भेजेगा।

2019 में आखिरी बार बढ़ी थी संख्या : इससे पहले 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी। वहीं, 2008 में जजों की संख्या 26 से बढ़कर 31 हुई थी। शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस के अलावा सिर्फ 10 जजों की व्यवस्था थी।

सुप्रीम कोर्ट में अभी 2 पद खाली : फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में दो पद खाली हैं। जस्टिस बी.आर. गवई नवंबर 2025 में और जस्टिस राजेश बिंदल अप्रैल 2026 में रिटायर हुए थे।

आने वाले महीनों में सुप्रीम कोर्ट में तीन और पद खाली होने वाले हैं। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस पंकज मित्तल जून 2026 में रिटायर होंगे, जबकि जस्टिस संजय करोल अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त होंगे। संविधान के अनुच्छेद 124(3) के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट का जज वही बन सकता है जो भारतीय नागरिक हो। इसके लिए व्यक्ति का कम से कम पांच साल तक हाईकोर्ट में जज रहना या 10 साल तक वकील के तौर पर काम करना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से ज्यादा केस पेंडिंग

सुप्रीम कोर्ट में इस समय 92,385 पेंडिंग मामले हैं। कोविड के बाद ई-फाइलिंग बढ़ने से मामलों की संख्या लगातार बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 11 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में बताया था कि देशभर के कोर्ट में कुल 5.49 करोड़ से अधिक केस पेंडिंग हैं। इसमें 90,897 मामले सुप्रीम कोर्ट और देश के 25 हाई कोर्ट में 63,63,406 मामले लंबित थे।

भोपाल-इंदौर मेट्रो में 7000 में प्री-वेडिंग शूट

फिल्म की शूटिंग, बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी कर सकेंगे; 15 दिन पहले करानी होगी बुकिंग

भोपाल,एजेंसी। भोपाल और इंदौर मेट्रो में अब प्री-वेडिंग शूट, फिल्म की शूटिंग और बर्थडे सेलिब्रेशन भी किए जा सकेंगे। इसके लिए लोगों को एक घंटे के 5 से 7 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। 15 दिन पहले बुकिंग भी करानी होगी। नियम और टाइमिंग दोनों का ध्यान रखना होगा।

सेलिब्रेशन में न तो शराब ले जा सकेंगे और न ही बीड़ी-सिगरेट। पटाखे ले जाने पर भी मनाही है। मेट्रो में प्रवेश से पहले स्टेशन पर चेकिंग की जाएगी। इस सुविधा की शुरुआत 5 मई से ही कर दी गई है।

बता दें कि भोपाल में मेट्रो का उद्घाटन पिछले साल 20 दिसंबर को हुआ था। इसे 21 दिसंबर से आम लोगों के लिए खोला गया था। इससे पहले इंदौर में 31 मई 2025 से मेट्रो ट्रैक पर दौड़ने लगी थी।

लगातार घट रहे हैं मेट्रो के पैसेंजर्स

शुरुआत में बड़ी संख्या में लोग मेट्रो का सफर करने पहुंचे लेकिन अब यात्री लगातार घट रहे हैं। यही कारण है कि अब मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की शुरुआत की है।बर्थ-डे हो या प्री-वेडिंग, फिल्म की शूटिंग और इवेंट्स, मेट्रो अब नया डेस्टिनेशन बनेगा।

पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक ही पासवर्ड होगा

अब बार-बार ओटीपी से राहत मिलेगी; देश में 4 लाख हॉट स्पॉट, ट्राई ने सुझाव मांगे

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है।

अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं। सार्वजनिक वाई-फाई को सुरक्षित बनाने के लिए 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' जैसे मानक लागू होंगे। इससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षित यूपीआई और डिजिटल पेमेंट के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिलेगा।

कमाई का मॉडल बनाना मकसद : पेपर के अनुसार, मौजूदा वाई फाई सिस्टम इसलिए नहीं चला क्योंकि यह यूजर की जरूरत नहीं बन पाया। साथ ही ऑपरेटर की कमाई नहीं बनी। इसलिए सरकार प्रस्तावित वाईफाई सिस्टम को ऑपरेटर के लिए कमाई का मॉडल बनाना चाहती है।

इसके लिए विज्ञापन-आधारित मॉडल, पेड प्लान व सब्सिडी (वायबिलिटी गैप फंडिंग) जैसे विकल्प दिए जाएंगे।

'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा : शहरों में हाई-स्पीड इंटरनेट और गांवों में कम लागत वाला 'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा। देश की 140 करोड़ की आबादी में अभी महज 2% लोग पब्लिक वाई-फाई उपयोग करते हैं।

दक्षिण कोरिया में 80%, अमेरिका में 70%, यूरोप-चीन में 60% व इंग्लैंड में 50% आबादी पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करती है।

ट्राई द्वारा प्रस्तावित यह नया ढांचा न सिर्फ इंटरनेट की पहुंच बढ़ाएगा, बल्कि मोबाइल नेटवर्क पर बढ़ते डेटा के दबाव को भी कम करेगा।

सस्ते इंटरनेट से डिजिटल इंफ्रा मजबूत होगा : बीएसएनएल के पूर्व चेयरमैन अरुण श्रीवास्तव के मुताबिक यह न केवल कनेक्टिविटी की गुणवत्ता सुधारता है, बल्कि सस्ता इंटरनेट उपलब्ध कराकर डिजिटल इंफ्रा को भी मजबूत करता है, खासकर उन लोगों के लिए जो महंगे डेटा प्लान नहीं ले सकते।

उन्होंने कहा कि वाई-फाई हाई-डेटा उपयोग जैसे वीडियो, क्लाउड और एआई आधारित सेवाओं के लिए बेहतर विकल्प प्रदान करता है। ई-गवर्नेंस जैसी सेवाओं तक पहुंच के लिए भी ये आवश्यक है।

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना; जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान : सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

सरकार ने जारी की गाइड लाइन : केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए। इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

पहले 'राष्ट्रगीत' गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान' : अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'। दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें।

वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह

गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है।इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है। यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए।

सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए छूट

साथ ही, मंत्रालय ने सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट प्रदान की है। निर्देश के अनुसार, फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में वंदे मातरम बजाए जाने पर दर्शकों को खड़े होने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से दर्शकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है।

विदारीकंद जड़ी-बूटियों में है सर्वश्रेष्ठः आयुर्वेद

नई दिल्ली , एजेंसी। आयुर्वेद में कई गुणकारी जड़ी-बूटियों से असाध्य रोगों का इलाज किया जाता है। ये जड़ी-बूटियां बहुत ही दुर्लभ और शक्तिशाली होती हैं। ऐसी ही एक दुर्लभ जड़ी-बूटी है विदारीकंद, जिसे भारत में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। यह अद्भुत जड़ी-बूटी न केवल शरीर की ऊर्जा को बढ़ाती है, बल्कि पुराने बुखार को भी ठीक करने की क्षमता रखती है और गर्मियों में शरीर को अंदर से ठंडक प्रदान करती है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में विदारीकंद को जड़ी-बूटियों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि यह बल प्रदान करती है और प्रजनन क्षमता को भी मजबूत करती है। इसे भद्रकंद और पुष्पमूल के नाम से भी जाना जाता है, जो इसके औषधीय गुणों का परिचायक है। विदारीकंद एक बेल (लता) है, जिसकी जड़ों में अदरक जैसी गांठे मिलती हैं। इसकी गांठों को सुखाकर चूर्ण बनाकर इस्तेमाल किया जाता है और कभी-कभार तो इसका अर्क भी बनाकर लिया जाता है।

इसका प्रयोग रोग और प्रयोग करने की विधि पर निर्भर करता है। विदारीकंद की तासीर ठंडी होती है और यह शरीर में पित्त और वात दोष को संतुलित करता है, जिससे भीतर से ठंडक का अनुभव होता है। यह गर्मी के मौसम में शरीर को होने वाली परेशानियों से बचाने में मदद करता है। गर्मियों में शारीरिक कमजोरी, थकान और ऊर्जा की कमी एक आम समस्या है, जिसे दूर करने के लिए विदारीकंद एक बेहतरीन औषधि है। इसका प्रयोग कमजोरी, अत्यधिक थकान, बुखार, हड्डियों के रोगों, कमजोर प्रजनन क्षमता और वजन बढ़ाने में किया जाता है। अगर बहुत ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होती है, तो दूध के साथ विदारीकंद के चूर्ण का सेवन रात के समय करना चाहिए। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और मांसपेशियों को भी बल मिलता है, जिससे दिनभर की थकान दूर होती है। इसके अलावा, अगर पाचन शक्ति कमजोर है और बार-बार गैस, पेट की जलन और खट्टी डकार परेशान करती हैं, तो मिश्री और ठंडे दूध के साथ सुबह विदारीकंद का सेवन करना चाहिए। इससे पेट की जलन शांत होती है और एसिडिटी से भी छुटकारा मिलता है, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है। विदारीकंद महिला और पुरुष दोनों में प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी सहायक है। इसके लिए विदारीकंद को अश्वगंधा और शतावरी जैसी अन्य जड़ी-बूटियों के साथ लेने से फायदा मिलेगा। यह यौन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और प्रजनन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। हालांकि, विदारीकंद के प्रयोग से पहले किसी योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह जरूर लें, खासकर अगर आप किसी विशेष स्वास्थ्य स्थिति से गुजर रहे हैं। मधुमेह से पीड़ित लोगों को विदारीकंद के सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि यह रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ा सकता है।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः सोनम रघुवंशी को मिली बेल पर घमासान, मेघालय सरकार ने एचसी में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी की जमानत को मेघालय सरकार ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है। सरकार ने निचली अदालत का बेल आर्डर रद करने की मांग की है। मंगलवार को हाई कोर्ट ने सोनम को नोटिस जारी किया है। साथ ही अगले सप्ताह सुनवाई निर्धारित की है। उधर, सोनम को जमानत मिलने के बाद उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह सहित चार अन्य आरोपितों ने भी जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। मेघालय सरकार का कहना है कि ईस्ट खासी हिल्स की सेशंस कोर्ट ने जमानत देते समय अपराध की गंभीरता और उसके न्यायिक प्रभावों पर पर्याप्त विचार नहीं किया। सोनम को उसकी गिरफ्तारी के कारणों की पूरी जानकारी थी, इससे जुड़े दस्तावेज भी अदालत में पेश किए।

बता दें कि राजा रघुवंशी पत्नी सोनम के साथ हनीमून के लिए शिलांग गया था। जहां उसकी हत्या की हो गई। पुलिस ने सोनम, राज कुशवाह के अलावा विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को भी गिरफ्तार किया था।

कैसे मिली थी जमानत : 27 अप्रैल को न्यायमूर्ति डब्ल्यू. डिएंगडोह की कोर्ट ने गिरफ्तारी प्रक्रिया में खामियों का हवाला देते हुए सोनम को जमानत दी थी। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि सोनम को गिरफ्तारी के आधार की जानकारी ही नहीं दी गई।

हिमाचल में स्नोफॉल और ओलावृष्टि से बदलेगा मौसम, कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों रोहतांग, शिंकुला, बारालाचा सहित लाहुल स्पीति के गोंदला में हिमपात हुआ है। जबकि शिमला सहित मशोबरा, कुफरी, ठियोग कुमारसैन, रोहडू, चौपाल में भारी ओलावृष्टि हुई। इसके कारण सेब सहित अन्य फलों और पौधों को भी नुकसान हुआ है। प्रदेश में धर्मशाला में सबसे अधिक 34 मिलीमीटर, कांगड़ा में 32, चौपाल में 22 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। आंधी ओर ओलावृष्टि के कारण गेंहू और मटर आदि की फसलों को नुकसान हुआ है। ताजा हिमपात और वर्षा के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से 6.7 डिग्री तक कम दर्ल किया गया। मंगलवार को दिन के तापमान में एक से तीन डिग्री का अंतर आया है कुछ स्थानों पर वृद्धि तो कुछ में गिरावट आई है। ऊना में अधिकतम तापमान में 3.6 डिग्री की वृद्धि से प्रदेश में सबसे अधिक 34.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। जो सामान्य से 2.8 डिग्री कम रहा। मनाली, भुंतर और कांगड़ा में तीन डिग्री की वृद्धि जबकि धर्मशाला में 2.1 डिग्री की गिरावट आई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार को चंबा, कांगड़ा, मंडी और कुल्लू में 40 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात और वर्षा का अनुमान है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट आई है।

ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (असम) । दक्षिण सलमारा मानकाचार जिले के फकीरगंज पुलिस ने ड्रग्स विरोधी अभियान के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात चलाए गए अभियान के दौरान फकीरगंज थाना क्षेत्र से ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान इकबाल हुसैन और गजीबुर रहमान के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से पुलिस ने 144.55 ग्राम ड्रग्स बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण कम करने की बड़ी पहल, इस महीने से एमसीडी फ्री करेगी शवदाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण अनुकुल अंतिम संस्कार को बढ़ावा देने के लिए जून से इलेक्ट्रिक और सीएनजी आधारित शवदाह निश्शुल्क कर देगा। इसके लिए एमसीडी ने पूर्व में ही प्रस्ताव पारित कर दिया है।

निगम के अनुसार 33 श्मशान घाटों व शवदाह गृहों के संचालन की जिम्मेदारी स्वयंसेवी संस्थाओं को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। जून में यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक और सीएनजी आधारित अंतिम संस्कार निश्शुल्क शुरू हो जाएगा।

निगम अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसलिए शुरुआती तौर पर दो वर्ष के लिए यह सेवा दी जाएगी। हालांकि इलेक्ट्रिक और सीएनजी शवदाह संचालन की मशीनों पर मरम्मत के आने वाले खर्च के लिए एमसीडी प्रति संस्कार एनजीओं को 500 रुपये की मदद देगी। उन्होंने बताया क इससे प्रति संस्कार करीब 700 किलो लकड़ी भी बचेगी। साथ ही इसके जलने से होने वाले धुंए का उत्सर्जन भी कम होगा। अधिकारी ने आगे बताया कि वर्तमान में सराय काले खां, रोहिणी सेक्टर-26 (कैवल्य धाम), द्वारका सेक्टर-24, ग्रीन पार्क, कड़कड़डूमा, गाजीपुर, सुभाष नगर, पंजाबी बाग और हस्तसाल समेत नौ स्थानों पर सीएनजी आधारित दाह संस्कार की सुविधा उपलब्ध है। अधिकारी ने बताया कि जल्द ही नवनिर्मित सराय काले खां श्मशान घाट का भी संचालन शुरू होगा। यहां एक सीएनजी और दो इलेक्ट्रिक भट्टियां पहले से मौजूद है। जबकि 22 पारंपरिक चितां हैं। इस नवनिर्मित श्मशान घाट के जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। जहां पर लोगों के बैठने की सुविधा का विस्तार किया गया है और इसे नागरिक हितेषी बनाया गया है।

श्वसन की समस्या में कपालभाति प्राणायाम के अद्भुत लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ते प्रदूषण, धूल और मौसम के तेज बदलाव के कारण आजकल सांस लेने में दिक्कत, साइनस, खांसी, जुकाम और ब्रोंकियल इन्फेक्शन जैसी श्वसन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय ने श्वसन क्रिया को मजबूत और स्वस्थ रखने के लिए प्राचीन योग क्रिया कपालभाति को अपनाने की सलाह दी है। कपाल भाति एक शक्तिशाली प्राणायाम है, जो फेफड़ों को साफ करने, सांस की नलियों को खोलने और पूरे श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने में बेहद कारगर माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, हर दिन कपालभाति के कुछ सावधानीपूर्वक चक्र करने से सांस को ताजगी मिलती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और श्वसन क्रिया मजबूत होती है। जिन लोगों को साइनस कंजेशन, लगातार खांसी, जुकाम, राइनाइटिस, साइनसाइटिस, अस्थमा या ब्रोंकियल इन्फेक्शन की शिकायत है, उनके लिए कपालभाति विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो सकती है। यह क्रिया फेफड़ों से पुरानी हवा और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है। इसके नियमित अभ्यास से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और उनका कामकाज बेहतर होता है। कपालभाति करते समय तेजी से सांस छोड़नी पड़ती है, जबकि सांस लेना स्वाभाविक रूप से होता है। इस प्रक्रिया से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, ऑक्सीजन का स्तर सुधरता है और श्वसन नलिकाओं में जमा बलगम (कफ) साफ होता है। नियमित अभ्यास से सांस की नली की सूजन कम होती है और ब्रोंकियल इन्फेक्शन जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। यह श्वसन मार्ग को साफ और खुला रखने में मदद करता है, जिससे सांस लेने में किसी भी तरह की रुकावट कम होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कपालभाति न सिर्फ श्वसन तंत्र को मजबूत बनाती है, बल्कि शरीर की अंदर से सफाई भी करती है। यह मस्तिष्क को तरोताजा रखती है और सुबह के समय इसे करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है। यह तनाव कम करने और मानसिक स्पष्टता बढ़ाने में भी सहायक है। ऐसे में एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि शुरुआत में कम चक्रों से अभ्यास शुरू करें और धीरे-धीरे बढ़ाएं।

सीबीआई ने अपने ही डीएसपी और उनकी पत्नी पर दर्ज किया केस, क्या है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने अपने ही पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) के खिलाफ आय के ज्ञात स्त्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित का एक नया केस दर्ज किया है। डीएसपी के खिलाफ बैंकिंग, सिक्योरिटीज और फ्रॉड ब्रांच (बीएसएफबी) में पोस्टिंग के दौरान रिश्वतखोरी के एक मामले में पहले से ही जांच चल रही है। बीएसएफबी ही बड़े बैंक धोखाधड़ी केसों की जांच करती है। इसी शाखा ने नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे हाई प्रोफाइल मामलों की जांच की है।

क्या है मामला : जांच एजेंसी के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सीबीआई ने डीएसपी बृजमोहन मीणा और उनकी पत्नी सुनीता के खिलाफ 2021–24 के दौरान 98.33 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है, जो उनकी ज्ञात आय के स्त्रोतों से 87 प्रतिशत अधिक है। मीणा ने सितंबर 2021 में डीएसपी के रूप में मुंबई स्थित बीएसएफबी शाखा में पदभार संभाला था और दिसंबर 2024 के आखिर तक वहां तैनात रहे। इसी दौरान आय से अधिक यह संपत्ति जुटाई गई।

भ्रष्टाचार के मामले में नपे डीएसपी और उनकी पत्नी : उन्होंने बताया कि अधिकारी और उनकी पत्नी ने इस संपत्ति के बारे में जांच एजेंसी को संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।

ट्रक की टक्कर से मजदूर की मौत

देहरादून, एजेंसी। देहरादून के थाना बसंत विहार क्षेत्र में कांवली रोड स्थित गोविंदगढ़ पुल के पास बुधवार को ट्रक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सीतामढ़ी (बिहार) का मूल निवासी व हाल निवासी कालिंदी एनक्लेव वासी सकल देव साहनी (55) पुत्र दयाराम साहनी मजदूरी का कार्य करता था और घटना के समय अपने साथियों के साथ काम पर जाने के लिए सड़क किनारे खड़ा था। तभी एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलने पर थाना बसंत विहार से टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए कोरोनेशन अस्पताल भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर अज्ञात ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है।

अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026: विदेश से धन पाने में भारत फिर अव्वल, 2024 में प्रवासियों ने भेजे 137 अरब डॉलर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत एक बार फिर विदेश से धन पाने में दुनिया में पहले स्थान पर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत को 137 अरब डॉलर से अधिक रकम मिली, जो विश्व में सबसे अधिक है। भारत ऐसा एकमात्र देश है, जिसने 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया।मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की 'विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026' के मुताबिक, भारत लगातार इस सूची में शीर्ष पर बना हुआ है। मेक्सिको दूसरे और फिलीपीन व फ्रांस तीसर-चौथे स्थान पर रहे। भारत को मिलने वाले धन में पिछले वर्षों में लगातार वृद्धि आई है। 2010 में यह आंकड़ा 53.48 अरब डॉलर था, जो 2015 में बढ़कर 68.91 अरब डॉलर, 2020 में 83.15 अरब डॉलर और 2024 में 137.67 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

2024 में 11.8% वृद्धि रही। अमेरिका से सबसे ज्यादा धन भेजा गयारिपोर्ट में बताया गया है कि उच्च आय वाले देश रेमिटेंस के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं। वर्ष 2024 में अमेरिका सबसे ज्यादा रेमिटेंस भेजने वाला देश रहा, जहां से 100 अरब डॉलर से अधिक की राशि भेजी गई। इसके बाद सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और जर्मनी का स्थान रहा। रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आंकड़ों का भी जिक्र किया गया है। 2022 में चीन से 10 लाख से अधिक छात्र विदेशों में पढ़ाई कर रहे थे। भारत दूसरे स्थान पर रहा, जहां से 6.2 लाख से अधिक छात्र विदेश में अध्ययनरत थे।

प्रदेश की महिला शिक्षामित्रों को बड़ी राहत, नियुक्ति अब मायके या ससुराल के पास ही होगी

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने शिक्षामित्रों को उनके जिले व घर के नजदीकी विद्यालय में तैनाती की व्यवस्था की है। विवाहित महिला शिक्षामित्रों को मायके या ससुराल के पास विद्यालय में म्युचुअल ट्रांसफर की सुविधा दी जाएगी। मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह में सीएम ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद को सभी शिक्षामित्रों के बैंक खाते खुलवाने का निर्देश दिया गया है। इससे मानदेय सीधे अकाउंट में आएगा। सीएम ने समारोह में चयनित शिक्षामित्रों को सम्मानित किया और उन्हें बढ़े मानदेय का चेक भी सौंपा। इस दौरान सीएम ने कहा, 2017 से पहले की सरकारों ने नियमों के खिलाफ शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सेवाएं समाप्त करने का आदेश दिया। उस समय डेढ़ लाख परिवारों पर संकट आ गया था। तब हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे। सीएम ने कहा कि अब ट्रेड यूनियन वाली सोच और नकारात्मक वृत्ति को पूरी तरह त्याग देना होगा। शिक्षक या शिक्षामित्र केवल मांगों पर अड़े रहेंगे, नकारात्मक सोच रखेंगे, तो न केवल बच्चों की नींव कमजोर करेंगे बल्कि पूरे समाज व राष्ट्र को क्षति पहुंचाएंगे। सकारात्मक भाव के साथ कार्य करने वाले ही अच्छी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं।

मिशन दृष्टि सैटेलाइट लॉन्च की मुरीद हुई दुनियाः पीएम मोदी के पोस्ट पर एलन मस्क का जवाब, सफलता पर दी बधाई

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। बंगलूरू स्थित स्पेस स्टार्टअप के मिशन दृष्टि सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण पर एलन मस्क ने कंपनी को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि मिशन दृष्टि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले ह्श्चह्लश्क्र सैटेलाइट और भारत के सबसे बड़े निजी तौर पर निर्मित उपग्रह का सफल प्रक्षेपण देश के युवाओं की नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।मोदी ने लिखा कि गैलेक्सीआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के पहले ऑप्टोस्टार सैटेलाइट और भारत में निजी क्षेत्र द्वारा बनाए गए सबसे बड़े उपग्रह का सफल लॉन्च युवाओं के नवाचार और राष्ट्र निर्माण के जुनून का प्रमाण है।मिशन दृष्टि सैटेलाइट को रविवार को स्पेसएक्स के स्न्ड्ड्यष्श्ठ 9 रॉकेट के जरिए कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। इस लॉन्च को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।क्या है मिशन दृष्टि सैटेलाइट की खासियत?मिशन दृष्टि सैटेलाइट को अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीक से लैस किया गया है। इसमें लगे हाई-टेक कैमरे और एडवांस सेंसर धरती की बेहद साफ और हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हर मौसम में काम कर सकता है। घने बादल, बारिश, खराब मौसम या रात का अंधेरा भी इसकी निगरानी क्षमता को प्रभावित नहीं कर पाएगा।

रक्षा क्षेत्र के लिए क्यों है अहम :यह सैटेलाइट भारत की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग क्षमता के जरिए सीमाओं पर होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। खासतौर पर चीन और पाकिस्तान से सटे इलाकों में किसी भी संदिग्ध हलचल का तेजी से पता लगाया जा सकेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि सैटेलाइट से मिलने वाला सटीक डेटा सेना को रणनीतिक फैसले लेने में मदद करेगा। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देना आसान होगा और निगरानी प्रणाली पहले से अधिक प्रभावी बनेगी।नागरिक सेवाओं में भी मिलेगा फायदादृष्टि सिर्फ रक्षा जरूरतों तक सीमित नहीं है। यह एक डुअल-यूज सैटेलाइट है, जिसका इस्तेमाल कई नागरिक कार्यों में भी किया जाएगा। बाढ़, चक्रवात, भूकंप और जंगलों में आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान यह सटीक जानकारी उपलब्ध कराएगा।

इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण, जंगलों की निगरानी, जलवायु परिवर्तन के अध्ययन और समुद्री तटों पर नजर रखने में भी इसकी अहम भूमिका होगी। बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, हाईवे निर्माण और शहरी विकास योजनाओं की निगरानी में भी यह तकनीक उपयोगी साबित होगी।भारत के लिए क्यों जरूरी है यह तकनीक?भारत जैसे देश में मानसून के दौरान लंबे समय तक बादल छाए रहते हों क्षिमता प्रभावित होती है।

ऐसे में खेती, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़ी सटीक जानकारी जुटाना चुनौती बन जाता है।

शौक पूरा करने के लिए करते थे लूट, मुठभेड़ में चार शातिर गिरफ्तार

कानपुर,एजेंसी। हरदोई जिले में थाना अतरौली पुलिस और सर्विलांस टीम ने महिला के गले से हार झपटकर कार से फरार होने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके तीन अन्य साथियों को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। इस कार्रवाई में पुलिस का एक उपनिरीक्षक भी घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार, चार मई 2026 को लखनऊ निवासी मोनी सक्सेना अपने पति के साथ शादी समारोह से लौट रही थीं। अतरौली के पास पेट्रोल पंप पर रुकते ही एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके गले से हार झपटा और कार में बैठकर फरार हो गया। मुखबिर की सूचना पर 5-6 मई की रात डिकुन्नी बाजार के पास चेकिंग की जा रही थी।

दो आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस : संडीला की ओर से आ रही एक संदिग्ध अर्टिगा कार को रोकने का प्रयास किया गया, तो बदमाशों ने फायरिंग कर भागने की कोशिश की। महगवां रोड के पास पुलिस की जवाबी फायरिंग में अभियुक्त इमरान घायल हो गया। मौके से शमीर, मुशीर और छोटू को गिरफ्तार किया गया।

'हेलो सीधी - जय जवान' पहल शुरू: सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन का अभिनव कदम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जिला प्रशासन सीधी ने सेवारत सैनिकों के सम्मान, सुविधा और समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से हेलो सीधी - जय जवान नामक एक अभिनव पहल की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से सैनिकों को एक सरल, पारदर्शी और प्रभावी मंच उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस संबंध में आयोजित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि देश की सुरक्षा में समर्पित सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल सैनिकों की सुविधाओं को बेहतर बनाएगी बल्कि उनके मनोबल को भी मजबूत करेगी। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ वास्तव सहित कई सेवानिवृत्त सैनिक उपस्थित रहे। पूर्व सैनिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सैनिक हित में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम बताया। इस अवसर पर वीर शहीद ग्रेनेडियर ताम्रध्वज सिंह की धर्मपत्नी सुनीता सिंह भी मौजूद रहीं। उन्होंने इस योजना की जानकारी अपने पुत्र, सेवारत सैनिक सचिन सिंह को दी जिन्होंने इस पहल को जवानों के लिए उपयोगी और भरोसा बढ़ाने वाला कदम बताया। इस व्यवस्था के अंतर्गत सैनिक अपनी शिकायतें हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर 8103550045 के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। इसके अलावा जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर भी शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध होगी जो 24म7 संचालित रहेगी। हेल्पलाइन सेवा प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सक्रिय रहेगी। प्राप्त शिकायतों को डिजिटल एवं रजिस्टर प्रणाली में दर्ज कर प्रत्येक मामले को एक यूनिक रजिस्ट्रेशन नंबर प्रदान किया जाएगा जिससे शिकायत की निगरानी और ट्रैकिंग आसान होगी शिकायतों का वर्गीकरण कर उन्हें संबंधित विभागों को समय सीमा के साथ भेजा जाएगा जिला प्रशासन ने इस पहल के अंतर्गत समयबद्ध सेवा सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है शिकायत प्राप्त होने के चार कार्य दिवस के भीतर उसकी पुष्टि की जाएगी और अगले छह कार्य दिवसों में समाधान का प्रयास किया जाएगा।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रगणक को कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी विकास मिश्रा द्वारा प्राथमिक शिक्षक धर्मजीत सिंह, प्राथमिक शाला मोर्चा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार सिंह को तहसील गोपद बनास अंतर्गत मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रमांक 0079 मोर्चा हेतु प्रगणक नियुक्त किया गया था लेकिन उन्होंने न केवल नियुक्ति आदेश प्राप्त करने से इंकार किया बल्कि नोटिस जारी होने के बाद भी अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है जिसे प्रशासन ने गंभीर लापरवाही माना है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना कार्य में सहयोग करना प्रत्येक संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी का विधिक दायित्व है ऐसे में कार्य से इंकार करना और आदेशों की अवहेलना करना गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है प्रशासन द्वारा जारी नोटिस में संबंधित प्रगणक को 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्ट एवं संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि जवाब समय सीमा में प्रस्तुत नहीं किया गया अथवा असंतोषजनक पाया गया तो मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1966 के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी जिला प्रशासन ने जनगणना कार्य को राष्ट्रीय महत्व का कार्य बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इसमें पूर्ण सहयोग एवं गंभीरता बरतने की अपील की है ताकि निर्धारित समयसीमा में यह महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।

दुआरी, कोचिटा, उमरिहा एवं खुटेली में 9 मई को लगेंगे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को नि:शुल्क एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 09 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार 09 मई को प्रात: 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत दुआरी, सीधी विधानसभा अंतर्गत कोचिटा, चुरहट विधानसभा अंतर्गत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत खुटेली शामिल हैं। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार परामर्श एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। शिविरों में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी जिससे नागरिकों को समेकित सेवाएं मिल सकेंगी शिविरों के संचालन हेतु संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है आयोजन ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य शासकीय भवनों में किया जाएगा जिला प्रशासन ने व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों का लाभ उठा सकें नागरिकों से आधार कार्ड एवं समग्र आईडी साथ लाने की अपील की गई है।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने किया मोहनिया मार्ग का भूमिपूजन 25 गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहनिया में बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने एनएच-39 से मोहनिया पहुंच मार्ग निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया यह परियोजना क्षेत्र में बेहतर सड़क संपर्क और विकास गतिविधियों को गति देने में अहम भूमिका निभाएगी प्रस्तावित मार्ग लगभग 1 किलोमीटर लंबा होगा जिसके निर्माण पर लगभग 562 लाख रुपये की लागत अनुमानित है। इस मार्ग के निर्माण से न केवल ग्राम मोहनिया बल्कि आसपास के लगभग 25 गांवों के लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही समय और संसाधनों की बचत भी होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को सुदृढ़ सड़क संपर्क उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से पुराना एनएच मार्ग भी पुन: सक्रिय हो सकेगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह मार्ग रीवा-सीधी टनल मार्ग से बेहतर जुड़ाव स्थापित करेगा जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी बेहतर सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होता है। इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाती है। सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। सड़क निर्माण जैसी परियोजनाएं न केवल लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाती हैं बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देती हैं कार्यक्रम में पूर्व विधायक शरदेंदु तिवारी, वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, रजनीश शुक्ला, ओपी सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे ग्रामीणों ने इस सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

जनगणना कार्य से इंकार करने पर प्रगणक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी, जनगणना तहसील गोपद बनास द्वारा जनगणना कार्य में सहयोग न करने पर एक प्रगणक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है जारी सूचना के अनुसार भारत की राष्ट्रीय जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य हेतु अजय मिश्रा, उच्च माध्यमिक शिक्षक शासकीय हाई स्कूल उपनी को मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रमांक 0060 बौड़हा हेतु प्रगणक नियुक्त किया गया था आरोप है कि संबंधित कर्मचारी द्वारा जनगणना कार्य करने से इंकार किया गया जिससे राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य के प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हुई। सूचना पत्र में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 5 एवं 11 के अंतर्गत जनगणना कार्य में सहयोग करना प्रत्येक संबंधित कर्मचारी का विधिक दायित्व है ऐसे में कार्य से इंकार करना गंभीर लापरवाही के साथ-साथ दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। प्रशासन द्वारा संबंधित कर्मचारी को 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है अथवा जवाब नहीं दिया जाता है तो जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रेडक्रॉस स्थापना दिवस पर निकली नशा मुक्ति जागरूकता रैली,सांसद ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नशामुक्त समाज स्वस्थ भविष्य के संकल्प के साथ रेडक्रॉस सोसायटी स्थापना दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर से भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण विभाग तथा रेडक्रॉस सोसायटी सीधी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया जिसमें लोकसभा सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए रेडक्रॉस सोसायटी शाखा मध्यप्रदेश के निर्देशन में आयोजित इस रैली का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है जो न केवल व्यक्ति बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर ही एक स्वस्थ, जागरूक और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है उन्होंने सभी नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नशा छोड़ो जीवन जोड़ो और स्वस्थ युवा सशक्त भारत जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस रैली ने आमजन का ध्यान आकर्षित किया और सकारात्मक संदेश फैलाया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी सीधी के सचिवकृष्णकांत द्विवेदी, सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायतधनंजय मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज सिंह परिहार, डॉ. अरविंद सोनी,संजय सोनी सहित सामाजिक न्याय विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों और स्वयंसेवकों की भागीदारी रही, जिसने इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने का संकेत दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया और इस दिशा में निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर 09 चार्ज अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी विकास मिश्रा द्वारा 09 चार्ज अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है चार्ज स्तर पर की गई समीक्षा एवं 05 मई 2026 को पोर्टल अवलोकन के दौरान यह पाया गया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप एचएलबी (हाउस लिस्टिंग एवं बिल्डिंग) कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है जो गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है। इस संबंध में प्रभात बरकड़े (मुख्य नगर पालिका चार्ज मझौली), जयप्रकाश पाण्डेय (तहसीलदार चार्ज सिहावल), साक्षी गौतम (तहसीलदार चार्ज चुरहट), इन्द्रभान सिंह (तहसीलदार चार्ज बहरी), नारायण सिंह (तहसीलदार चार्ज कुसमी), राकेश कुमार शुक्ल (तहसीलदार चार्ज गोपद बनास), रामावतार पटेल (मुख्य नगर पालिका चार्ज चुरहट नगर पंचायत), आशीष कुमार मिश्र (तहसीलदार चार्ज रामपुर नैकिन) एवं दिलीप सिंह (तहसीलदार चार्ज मझौली) को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आज ही शाम तक सभी एचएलबी क्षेत्रों में मकान सूचीकरण कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर संविदा शिक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना-2027 के कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी विकास मिश्रा ने संविदा शाला शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार सिंह को तहसील गोपद बनास अंतर्गत प्रगणक ब्लॉक क्रमांक 0099 हेतु नियुक्त किया गया था किंतु उन्होंने नियुक्ति आदेश प्राप्त करने एवं जनगणना कार्य संपादित करने से इंकार कर दिया इस गंभीर लापरवाही को राष्ट्रीय कार्य में बाधा माना गया। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि जनगणना कार्य एक राष्ट्रीय महत्व का दायित्व है तथा जनगणना अधिनियम 1948 के तहत नियुक्त प्रगणक के लिए निर्धारित कार्य करना अनिवार्य एवं विधिक रूप से बाध्यकारी है। राष्ट्रीय जनगणना कार्य को प्रभावित करने के आरोप में प्रदीप कुमार सिंह को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1966 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीधी नियत किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या असहयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर: समीक्षा बैठक में विधायक रीती पाठक के सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विकास कार्यों को गति देने और आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सड़क निर्माण, यातायात व्यवस्था, शिक्षा एवं कानून व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक पाठक ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए गोपाल दास मंदिर, स्टेडियम और ई-लाइब्रेरी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन स्तर पर लंबित कार्यों की जानकारी तत्काल प्रस्तुत करने को भी कहा उन्होंने नगर पालिका क्षेत्र में मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। यातायात व्यवस्था सुधारने, अतिक्रमण हटाने वार्डों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा नालियों की नियमित सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए। विधायक ने अवैध कॉलोनियों को चिन्हित कर उन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित करने अवैध होर्डिंग हटाने तथा लंबे समय से लंबित कार्यों के ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए साथ ही रेलवे एवं अन्य परियोजनाओं के लिए भूमि अर्जन से जुड़े मामलों को समयसीमा में पूर्ण करने और निर्माण एजेंसियों द्वारा खोदे गए गड्ढों को शीघ्र भरने पर जोर दिया ताकि वर्षा ऋतु में दुर्घटनाओं की संभावना न रहे। गर्मी को देखते हुए खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने जल निगम द्वारा सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत कार्य व्यवस्थित रूप से करने तथा विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उन्होंने नशा मुक्ति अभियान के तहत अवैध नशीले पदार्थों और शराब की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करने तथा संजय गांधी कॉलेज परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश भी दिए।

जनगणना-2027 हेतु जिला स्तर पर कॉल सेंटर स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी विकास मिश्रा ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के सुचारु एवं सफल संचालन हेतु जिला स्तर पर कॉल सेंटर स्थापित करने के आदेश जारी किए हैं। यह कॉल सेंटर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेगा इसके माध्यम से प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं आम नागरिकों को जनगणना संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा कार्य से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा कॉल सेंटर हेतु मोबाइल नंबर 9753995960 निर्धारित किया गया है।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश में जनगणना कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक संपादित किया जा रहा है इस अवधि में जनगणना कार्य को प्रभावी पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से यह कॉल सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा इस कॉल सेंटर के लिए मनीष कुमार सिंह, जिला प्रबंधक जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है उनके सहयोग हेतु राजेश कुमार द्विवेदी, कमलनाथ शुक्ल, धीरेन्द्र अग्रहरि एवं त्रिवेणी प्रसाद शुक्ल की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कॉल सेंटर के माध्यम से जनगणना कार्य से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, मार्गदर्शन एवं समस्या समाधान की सुविधा उपलब्ध रहेगी जिससे कार्य की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

भगवा हुआ बंगालः गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

संपादकीय

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है।

इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं।

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

(रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती (7 मई) पर विशेष)

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई।

चुनावः मोदी-शाह की जोड़ी का तोड़ नहीं

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और उसके नतीजों ने भारतीय राजनीति की तस्वीर ही बदल दी है। मोदी-शाह की जोड़ी ने फिर ये साबित कर दिया किया कि इनसे पार पाना आसान नहीं होगा। हालांकि, पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत के बाद वोट चोरी, चुनाव चोरी, फर्जी वोटिंग सहित बाहुबल और धन बल का इस्तेमाल किए जाने के आरोप-प्रत्यारोप भी सामने आ रहे हैं। जो भी हो, बंगाल फतेह ने असम में बीजेपी की हैट्रिक का मजा दोगुना कर दिया है। पुडुचेरी में दूसरी बार एनडीए सरकार की आई है। बीजेपी ने अपना अगला टारगेट भी सेट कर दिया है वो है पंजाब। पश्चिम बंगाल और असम में बीजेपी की बहुमत से जीत का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी नजर आएगा। बंगाल की जीत ने तो ये भी जता दिया है कि मोदी-शाह की जोड़ी ही चुनावी जीत का असल मंत्र है। जिस राज्य के चुनाव में विपक्ष बिखरा हुआ होगा, एंटी इनकमबेंसी होगी, सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट होगी वहां मोदी की चुनावी सभा और शाह की रणनीति निर्णायक साबित होगी।

मुस्ताअली बोहरा

गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की चुनावी सभा में कहा था कि बंगाल जीतने के साथ बीजेपी अपना अंग, बंग और कलिंग जीतने का लक्ष्य हासिल कर लेगी। अंग मतलब बिहार, बंग यानी बंगाल और कलिंग यानी ओडिशा। असम में सत्ता की वापसी और पश्चिम बंगाल में जीत ने बीजेपी की स्थिति को पूर्व और पूर्वोत्तर में मजबूत किया है। इस जीत से बीजेपी के एमएलए तो बढ़ेंगे ही साथ राज्यसभा में भी भाजपा सांसदों की गिनती बढ़ जाएगी। दूसरी तरफ, इन चुनावी नतीजों ने जाहिर कर दिया कि विपक्ष में एकजुटता की कमी है, वो चुनाव में कोई ऐसा मुद्दा नहीं खड़ा कर पाता जो मतदाताओं को रिझा सके। साथ ही बिना स्पष्ट नेतृत्व और मजबूत अजेंडा के बीजेपी का मुकाबला करना आसान नहीं है। अब, दिगर राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और साल 2029 के लोकसभा चुनाव में इस जीत की गूंज बरकरार रहेगी।

ममता ने जो बोया वही काटा

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की इतनी तगड़ी जीत की उम्मीद तो खुद ममता बनर्जी को भी नहीं रही होगी। जानकारों का मानना है कि डेढ़ दशक तक सीएम रहीं ममता ने जो बोया था वही काटा है। टीएमसी के वोटों का बिखराव, एंटी इम्कमबेंसी, भाजपा की बूथ स्तर पर रणनीति, एसआईआर का प्रभाव, वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम कटने को भी हार का कारण माना जा रहा है। मालूम हो कि कोई डेढ़ दशक पहले यही ममता, बीजेपी को अपना सहयोगी मानतीं थी। विश्लेषकों का मानना है कि ममता ने अपनी पराजय का बीज खुद ही बोया था। जुलाई 2022 में ममता बनर्जी ने उपराष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा का साथ देने से मना कर दिया। बाद में ममता बनर्जी के सांसदों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया इससे जगदीप धनखड़ जीत गए। ममता बनर्जी ने एक तरह से धनखड़ की मदद की। इसके बाद इंडिया गठबंधन में संयोजक के पद पर नितिश कुमार को नियुक्त करने का ममता बनर्जी ने तीखा विरोध किया था। शायद इसी वजह से नितीश कुमार नाराज हो गए थे और बाद में वे भाजपा के साथ चले गए। सन 2024 के लोकसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने से इंकार करके अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। नतीजा ये हुआ कि विपक्ष का वोट बैंक बिखरा जिसका फायदा बीजेपी को मिला। विपक्ष की टूट का असर ये हुआ कि बीएसपी, बीजेडी, आप, टीआरएस, वायआरएस, पीडीपी जैसे दल राजनीतिक अस्तित्व बचाते दिख रहे हैं। यहां बता दें कि साल 1997 में कांग्रेस तोड़ कर मुकुल रॉय के साथ ममता ने तृणमूल कांग्रेस बनाई थी। उन्होंने सीपीएम-सीपीआई और कांग्रेस को खत्म करने के लिए बीजेपी को पिछले दरवाजे से सपोर्ट किया था। बाद में मुकुल राय भाजपा में चले गए लेकिन सन 2021 के विधानसभा चुनावों के पहले वो टीएमसी में वापस आ गए। सन 1999 में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में ममता बनर्जी शामिल होकर रेल मंत्री बन गईं। साल 2001 में जब रक्षा सौदों में रिश्वतखोरी कांड सामने आया तो ममता बनर्जी एनडीए की सरकार से अलग हो गईं। सन 2003 में ममता बनर्जी फिर एनडीए की सरकार में शामिल हो गई और मंत्री भी रहीं लेकिन तब उनके पास कोई विभाग नहीं था। ममता को आरएसएस और बीजेपी के नेताओं ने बंगाल की दुर्गा कहकर संबोधित किया था। साल 2003 में ममता बनर्जी ने आरएसएस के मुखपत्र पांचजन्य के तत्कालीन संपादक तरुण विजय की कम्युनिस्ट आतंकवाद पर लिखी गई पुस्तक के विमोचन समारोह में शामिल हुई थी। तब तरुण विजय ने उन्हें 'बंगाल की दुर्गा' कह कर संबोधित किया था। सितंबर 2022 में ममता बनर्जी ने आरएसएस की भी तारीफ की थी। ममता बनर्जी भी आरएसएस के नेताओं को सच्चा देशभक्त कह चुकी हैं। एक भाषण में आरएसएस के मोहन भागवत, शेषाद्रि चारी और मदन

दास देवी का जिक्र करते हुए कहा कि आरएसएस के कुछ नेताओं से वह मिल चुकीं हैं। साल 2019 मे ममता बनर्जी ने एनआरसी और सीएए की खिलाफत तो की लेकिन जब सीएए पर संसद में मतदान हुआ तो टीएमसी के आठ सांसद गैरहाजिर रहे और इस वजह से विधेयक पारित हो गया। जब बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोट अधिकार रैली निकल रही थी तब इसमें ममता बनर्जी शामिल नहीं हुई थीं। खैर, ये बात और है कि ममता को इस बात का गुमान ही नहीं रहा होगा कि जिस भाजपा को वो सपोर्ट कर रही है एक दिन वही उसे सत्ता से बेदखल कर देगी। बीजेपी अब 2029 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की सभी लोस सीटों पर जीत की कोशिश करेगी।

कांग्रेस, सपा, बसपा, टीएमसी सभी हुए कमजोर-विपक्षी पार्टियों में कांग्रेस के बाद समाजवादी पार्टी और फिर तृणमूल कांग्रेस केन्द्र में बड़ी पार्टियों में है। कांग्रेस के 99, सपा के 37 और टीएमसी के 29 सांसद हैं। बंगाल और असम में बीजेपी ने प्रचंड जीत हासिल की तो केरलम में कांग्रेस के गठबंधन यूडीएफ ने सत्ता में वापसी की। तमिलनाडु में डीएमके नेता एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा, यहां फिल्म एक्टर विजय की टीवीके ने जीत हासिल की। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन सहित विपक्ष के कई बड़े नेता हार गए। इसके साथ ही अब लोगों की नजरें इस बात भी टिकी हैं कि ममता और स्टालिन की फाइलें कब से खुलना शुरू होतीं हैं। यहां बता दें कि इससे कुछ महीने पहले ही भाजपा ने बिहार में अपना पहला सीएम बनाया, सम्राट चैधरी के रूप में बीजेपी को यहां अपना पहला मुख्यमंत्री मिला। इससे पहले दिल्ली में बीजेपी ने सत्ता वापस हासिल की। मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, असम और अब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। बिहार में गठबंधन सरकार है। निश्चित रूप से बीजेपी का मनोबल बढ़ेगा और अब वह उन राज्यों में भी चुनावी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी जहां अभी उसकी पकड़ कमजोर है। इधर, इंडिया गठबंधन भी असरकारक साबित नहीं हुआ। इसके गठन के कुछ ही महीनों बाद से ही इसमें टूट होने लगी थी। साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों ने साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। तब इस गठबंधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन सीएम ममता बनर्जी, बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आरजेडी के लालू प्रसाद यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन, सपा नेता अखिलेश यादव, आप नेता अरविंद केजरीवाल, फारूक अब्दुल्लाह और महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता शामिल हुए थे। इंडिया गठबंधन बना तो सही लेकिन चल नहीं पाया। कुछ ही अंतराल बाद नितिश कुमार ने गठबंधन छोड़ दिया और बीजेपी से गलबहिया कर लीं। लोकसभा चुनाव के पहले सीट बटवारे को लेकर गठबंधन के दलों के बीच दिल नहीं मिले। आप और कांग्रेस के बीच तो कांग्रेस और टीएमसी के बीच पटरी नहीं बैठी। नतीजा ये हुआ कि इंडिया गठबंधन नाम का होकर रह गया।

सीएम रहते हुए नहीं बचा पाए अपनी सीट-चुनाव में पार्टी की हार दुखद तो होती ही है लेकिन असल रंज तब होता है जब सत्ता में काबिज सीएम अपनी ही सीट नहीं बचा पाए। हाल ही के पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी सीएम रहते हुए भी अपनी भवानीपुर सीट नहीं बचा पाईं। उन्हें भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने तकरीबन 15 हजार वोटों से शिकस्त दी। इससे पहले सन 2021 में ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु से हार चुकीं थी। ममता बनर्जी अकेली ऐसी नेता बन गई हैं जो सीएम रहते हुए लगातार दूसरी बार हारीं। उधर तमिलनाडु में सीएम एमके स्टालिन को भी कोलाथुर सीट से थलपति विजय की पार्टी टीवीके के वीएस बाबू से पराजित हो गए। दिल्ली चुनाव में शीला दीक्षित तो जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला भी अपनी सीट गंवा चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने सीएम रहते हुए साल 2014 में दो सीटों से चुनाव लड़ा था, मगर उन्हें सोनवार सीट से हार का सामना करना पड़ा था, बीरवाह सीट से वह जीत गए थे। दिल्ली की लगातार तीन बार सीएम रहीं शीला दीक्षित को सन 2013 में नई दिल्ली सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें हराया था। उत्तराखंड के सीएम रहते हुए हरीश रावत सन 2017 विधानसभा चुनाव में हरिद्वार ग्रामीण और किच्छा दो जगह से नामांकन दाखिल किया था। हरीश रावत दोनों सीटों से हार गए थे। उत्तराखंड में सन 2022 विधानसभा चुनाव में पुष्कर सिंह धामी भी सीएम रहते हुए विधानसभा चुनाव हार गए थे। वह खटीमा से चुनाव मैदान में उतरे थे, जहां उन्हें कांग्रेस के भुवन चंद्र कापड़ी ने पराजित किया था। पंजाब के सीएम रहते हुए चरण जीत सिंह चन्नी चमकौर साहिब और भदौर दो सीटों से पर्चा भरा था लेकिन वो हार गए थे। गोवा के लक्ष्मीकांत पारसेकर साल 2017 में मांड्रेम सीट से चुनावी समर में उतरे। कांग्रेस के दयानंद सोप्ते ने उन्हें हरा दिया था। कुल मिलाकर चुनाव में यदि कोई सीएम अपनी ही सीट नहीं बचा पाए तो हैरत होना स्वाभाविक है। हालांकि, सिर्फ सीएम ही नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के कई बड़े नेता चुनाव हारते रहे हैं फिर चाहे वो किसी राज्य में मंत्री रहे हों या केन्द्र में। इससे ये तो साबित हो जाता है कि ये जनता है....सब जानती है। बहरहाल, अब इंडिया गठबंधन को रिफार्म करने की जरूरत है ताकि एक मजबूत विपक्ष बन सके। छोटे दलों को कांग्रेस का समर्थन करना होगा। कांग्रेस, सपा, बसपा, टीएमसी, आप, पीडीपी सहित अन्य क्षेत्रीय दलों को अपनी महत्वकांक्षा से इतर सोचना होगा। विपक्ष को चाहिए कि वो चुनावी का हार का मंथन करते हुए आगे बढ़े। अपनी गलतियों से सीख ले, जनता की बीच लगातार संपर्क बनाए रखते हुए जनहित के मुद्दों को उठाते रहे। राजनीति में सत्ता परिवर्तन कोई होना कोई नया नहीं है लेकिन जो जनविश्वास जीतेगा वही सत्ता हासिल करेगा।

ममता दीदी को जनता की संप्रभुताः का सम्मान करना चाहिए

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वो चुनाव नहीं हारी हैं इसलिए इस्तीफ़ा नहीं देंगी ।ऐ कहना ठीक नहीं है पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी को मिली हार ने ममता बनर्जी के आगे की राजनीतिक सफर को काफी मुश्किलों भरा बना दिया है। ममता बनर्जी ने सिर्फ सत्ता ही नहीं गंवायी बल्कि अपनी परंपरागत सीट भवानीपुर को भी हार गईं अब ऐ कहना काउंटिंग में धांधली हुई है इसलिए इस्तीफा नहीं दूंगी गलत है ऐ लोकतान्त्रिक देश है इसमें जनता का निर्णय सर्वोपरि है पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा होना बिल्कुल गलत है ऐ राज्य सरकार की जिम्मेदारी है ।

संजय गोस्वामी

अतः ऐसी घटना को शक्ति से पालन करना चाहिए और क़ोई भी पार्टी का हो दंगा करने पर उचित कार्यवाही करना चाहिए इस चुनाव में कांग्रेस और टीएमसी में वोट कटा है रही सही कसर लेफ्ट और एआईएमआईएम ने भी वोट काटा है इस चुनाव में सबसे ज्यादा खुश कांग्रेस हुई होगी क्योंकि विपक्ष में ममता दीदी का बढ़ता कद को देखकर कांग्रेस चिंता में थी अब विपक्ष में कांग्रेस एक बड़ी पार्टी बनी है भले ही सीटों की संख्या कम हो लेकिन अधिक मात्रा में अल्पसंख्यक का वोट काटा है लोकतंत्र में जनता का निर्णय ही सर्वोपरि है और उसका सम्मान करना चाहिए और हार को स्वीकार कर विपक्ष में ही सही जनता के निर्णय को सम्मान करना चाहिए लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें देश की सत्ता जनता के हाथों में होती है। इसमें नागरिक अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं और वे प्रतिनिधि जनता के हित में शासन चलाते हैं। सरल परिभाषाः लोकतंत्र वह शासन प्रणाली है जिसमें जनता को अपने शासकों को चुनने का अधिकार होता है। सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। प्रतिनिधियों का चुनाव निश्चित अंतराल पर होता है। समानताः सभी नागरिकों को कानून के सामने समान अधिकार प्राप्त होते हैं। स्वतंत्रताः विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, और संगठन की स्वतंत्रता होती है। कानून का शासनः सभी नागरिक और शासक कानून के अधीन होते हैं। बहुमत का शासन, अल्पमत का सम्मान करना ही लोकतंत्र की ताकत है जिसमें निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं, लेकिन अल्पमत के अधिकारों की रक्षा की जाती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता भी शामिल है जो न्यायालय स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं। जहाँ तक उत्तरदायित्व और पारदर्शिता का सवाल है वो चुनाव से पहले होता है जिसमें शासक जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं और शासन में पारदर्शिता होती है। यानी व्यावहारिक अर्थ जनता की संप्रभुता की रक्षा करना है : नागरिक ही सरकार को बदल देती हैं। चुनाव हर 5 साल में चुनाव होते हैं तो अगली बार के लिए कहाँ कहाँ गलती हुई इसपर ध्यान देकर विपक्ष में भी रहकर जनता की सेवा करने से पुनः चुनाव में जीत हो सकती है । जाति, धर्म, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए । कोई भी अपनी राय रख सकता है,

किसी शासन को लोकतांत्रिक कहा जा सकता है।अगर लगता है की काउंटिंग में कुछ गड़बरी हुई है तो अदालत है जिसमें न्यायपालिका के सामने अपनी बात रखने का अधिकार है जो अदालतें सरकार के दबाव में नहीं होतीं। इसलिए अब चुनाव परिणाम आने के बाद कुछ नहीं हो सकता है और जिसके जितना अधिक सीटे आई हैं वो अपना विधायक दल का नेता चुना जाएगा और राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और विधायक दल की संख्या के आधार पर राज्यपाल उसे सरकार बनाने के लिए शपथ भी दिला देगी वो भी राज्यभवन में जैसा एक बार महाराष्ट्र के चुनाव के बाद देवेंद्र फरनवीस और एनसीपी के नेता स्व अजीत पवार ने शपथ लिया बाद में बहुमत नहीं होने के कारण देवेंद्र फरनवीस को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था पश्चिम बंगाल में कुछ ही दिनों में 5 साल पूर्ण होने पर विधानसभा भंग हो जाएगी बाद में नए विधायक सदन में प्रोटम स्पीकर द्वारा शपथ लेंगे अतः यहाँ कहीं भी दुविधा नहीं है क्योंकि जीते गए विधायक को चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद निर्वाचन अधिकारी जीते हुए प्रत्याशी को प्रमाण पत्र देती है चुनाव से जुड़े सभी इंतज़ाम चुनाव आयोग करता है। चुनाव आयोग मतदान केंद्र बनाता है, जहाँ चुनाव के दिन लोग आकर अपना वोट डालते हैं। सिर्फ़ वही लोग वोट डाल सकते हैं जिनका नाम वोटर लिस्ट में होता है। वोट डालने के बाद, सभी वोटों को एक सुरक्षित जगह पर रखा जाता है और इन्हें सिर्फ़ वोटों की गिनती वाले दिन ही खोला जाता है। इस तरह, जिस उम्मीदवार को सबसे ज़्यादा वोट मिलते हैं, वह चुनाव जीत जाता है। यह प्रक्रिया सभी चुनावों में, सभी निर्वाचन क्षेत्रों और वार्डों में दोहराई जाती है। अतः काउंटिंग के समय जो विपक्ष के एजेंट होते है चुनाव के दिन जो फॉर्म सी होता है उसको लेकर काउंटर पर काउंटिंग के दिन आते हैं और सभी चीजों जैसे ईवीएम का नम्बर विविपैड इलक्ट्रोल वोट की संख्या आदि का मिलान करते हैं हर घंटे राउंडिंग टेबल पर हर बूथ का ईवीएम से रिजल्ट देखा जाता है और हर घंटे ऐ क्रम चलता है और रिटर्निंग अफसर टेबलेटिंग अफसर को वो सीट देता है जिसे वो इलेक्शन कमीशन को ऑनलाइन भेजता है और तब जाकर रिजल्ट आता है और ऐ सभी सीसीटीवी की निगरानी में होता है अतः एक बार इलेक्शन कमीशनर द्वारा कैंडिडेट को जीत की घोषणा के बाद कुछ नहीं हो सकता है बाद में मिडिया में नहीं अदालत में गड़बड़ी की याचका दायर कर सकते है जो अदालत निर्णय देती है वो इलेक्शन में अगर धांधली हुई है तो सबूत के आधार पर ही अपने विवेक का इस्तेमाल कर क़ोई निर्णय देती है प्रायः इलेक्शन कमीशनर के निर्णय को ही जायज माना जाता है इसलिए अब जब चुनाव परिणाम आ गए हैं तो कुछ नहीं हो सकता है राज्यपाल तुरंत ही बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का आदेश देगी और शपथ दिला देगी क्या करेंगे यदि इस्तीफा नहीं दि तो राज्यपाल तो खेल कर देंगे अतः इस्तीफा दे देना चाहिए और जनता के निर्णय को सम्मान करना चाहिए क्योंकि ऐसे भी बीजेपी अपना सरकार बना लेगी और उस समय इस्तीफा ना देने पर बेबजह मीडिया में नाम खराब होगा और मीडिया में बोलने से नहीं बल्कि अदालत ही क़ोई निर्णय दे सकती है।

भीषण गर्मी में राहत: हैंडपंप मरम्मत से ग्रामीणों को मिली बड़ी सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग लगातार सक्रिय प्रयास कर रहा है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत सरभोका के मिशन पारा (सरपंच घर के पास) में विभागीय टीम द्वारा हैंडपंपों का निरीक्षण और मरम्मत कार्य किया गया। गर्मी के प्रकोप और जल संकट को ध्यान में रखते हुए विभाग ने खराब और बंद पड़े हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर सुधार कर चालू किया इससे ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पेयजल प्राप्त हुआ और दैनिक उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई विभागीय निरीक्षण और त्वरित सुधार कार्य ने क्षेत्र के ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत दी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की यह पहल प्रशासन की संवेदनशीलता और ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विभाग द्वारा जिलेभर में गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल स्रोतों की सतत निगरानी, नियमित निरीक्षण और मरम्मत कार्य लगातार किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गर्मी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए हैंडपंप मरम्मत जल स्रोतों के संरक्षण और त्वरित तकनीकी सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस सतत अभियान के परिणामस्वरूप जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को राहत मिल रही है और पेयजल आपूर्ति सुचारु बनी हुई है।

विशेष रूप से मिशन पारा क्षेत्र में हैंडपंप सुधार कार्य से स्थानीय ग्रामीणों ने बड़ी राहत महसूस की ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें पानी की व्यवस्था के लिए दूर-दूर तक जाने की आवश्यकता नहीं है और गर्मी के दौरान भी स्वच्छ पानी आसानी से उपलब्ध हो रहा है विभागीय टीम ने बताया कि खराब हैंडपंपों की मरम्मत के साथ-साथ भविष्य में किसी तकनीकी खराबी से बचने के लिए नियमित निरीक्षण और रख-रखाव किया जाएगा।

जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपने आस-पास के जल स्रोतों की सुरक्षा और सफाई में सहयोग करें ताकि सभी के लिए निरंतर स्वच्छ पानी उपलब्ध रह सके इस त्वरित कार्रवाई और सतत निगरानी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम हुआ है और गर्मी के मौसम में आमजन के जीवन में राहत आई है।

ग्राम्य क्षेत्रों में पानी की समस्या पर त्वरित कार्रवाई, राज्य स्तरीय आपदा परामर्श सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग लगातार सक्रिय प्रयास कर रहा है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत सरभोका के मिशन पारा (सरपंच घर के पास) में विभागीय टीम ने खराब पड़े हैंडपंपों का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य किया। विभाग ने खराब और बंद पड़े हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर चालू किया जिससे ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पानी मिलना शुरू हो गया। ग्रामीणों ने राहत व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें पानी के लिए दूर जाना नहीं पड़ता और दैनिक उपयोग हेतु पानी सुचारू रूप से उपलब्ध है। विभाग ने बताया कि भविष्य में किसी तकनीकी खराबी से बचने के लिए नियमित निरीक्षण और रख-रखाव किया जाएगा। जिला प्रशासन ने भी इस बात पर जोर दिया कि गर्मी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट न उत्पन्न हो इसके लिए हैंडपंप मरम्मत जल स्रोत संरक्षण और त्वरित तकनीकी सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है इस सतत प्रयास से जिले के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को राहत मिली है। इसी बीच भोपाल में 05 मई 2026 को राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य आपदा के दौरान महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील वर्गों को सुरक्षित और त्वरित राहत एवं बचाव सहायता प्रदान करना था। इस परामर्श का शुभारंभ महानिदेशक होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन, प्रज्ञा ऋचा वास्तव ने किया। परामर्श में प्रदेश के सभी संभागों और जिलों के प्रतिनिधियों के साथ उत्तराखण्ड, बिहार और भारतीय सेना के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान आपदा प्रबंधन के लिए महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों हेतु समग्र और व्यवहारिक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई जिसे महानिदेशक ने विमोचित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बहु-विभागीय समन्वय के माध्यम से राहत और बचाव कार्यों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

एक ही जिले में कई लापता मामले,वर्षों बाद भी नहीं मिला सुराग पुलिस ने तेज की खोज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में अलग-अलग समय पर लापता हुए कई युवाओं और एक युवती के मामलों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है लंबे समय बीत जाने के बावजूद इनका कोई सुराग नहीं मिल पाने से परिजनों की बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही है मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सभी प्रकरणों में एक साथ खोज अभियान तेज कर दिया है और आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चिरमिरी एवं झगराखण्ड क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों में कई लोग वर्षों से लापता हैं। इनमें 26 वर्षीय विनोद कुमार प्रजापति (गुम इंसान क्रमांक 39/2019), निवासी चित्ताझोर पोंडी शामिल हैं जो कदमहारा से कोरिया जाने के दौरान हल्दीबाड़ी टैक्सी स्टैंड से अचानक लापता हो गए थे। इसी तरह 30 वर्षीय अजय कुमार (गुम इंसान क्रमांक 05/2026), निवासी गोदरीपारा, जो रायपुर के सिलतरा स्थित एक स्टील प्लांट में कार्यरत था लगभग छह वर्ष पूर्व रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। वहीं 18 वर्षीय सुनील कुमार सिंह (गुम इंसान क्रमांक 20/2016), निवासी आजाद नगर गोदरीपारा, पारिवारिक विवाद के बाद घर छोड़कर चला गया था जिसका आज तक कोई पता नहीं चल पाया है।

आगर मालवा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा सहित वाहन और 45 लाख की संपत्ति जब्त की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आगर मालवा जिले की बड़ौद पुलिस ने 4 क्विंटल से अधिक अवैध डोडाचूरा, परिवहन में प्रयुक्त वाहन और अन्य सामग्री जब्त की है इस कार्यवाही में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया और लगभग 45 लाख 57 हजार रुपए की संपत्ति जप्त की। 04 मई को थाना बड़ौद पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि डग-बड़ौद मार्ग पर एक ट्रक में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को ग्लूकोज कार्टूनों के बीच छिपाकर परिवहन किया जा रहा है सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने खंदवास जोड़ ग्राम बंदवास क्षेत्र में त्वरित और योजनाबद्ध घेराबंदी कर ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक में रखे ग्लूकोज कार्टूनों के बीच छिपाई गई 20 प्लास्टिक बोरियों से कुल 4 क्विंटल 3 किलो 353 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया मौके पर ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से डोडाचूरा, परिवहन में प्रयुक्त ट्रक और अन्य सामग्री सहित लगभग 45 लाख 57 हजार रुपए से अधिक की संपत्ति जप्त की गई पुलिस पूछताछ के आधार पर उज्जैन निवासी सह-आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना जारी है पुलिस अब मादक पदार्थ के स्रोत और तस्करी नेटवर्क के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर रही है। मध्यप्रदेश पुलिस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी इस प्रकार के अवैध कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते इस तरह की अवैध तस्करी रोकी जा सके। बड़ौद पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है पुलिस अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अपराधों के खिलाफ समान रूप से सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चरित्र संदेह में पति ने पत्नी को चूहामार दवा खिलाई, होश आने पर पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर के सीपत पुलिस ने पत्नी को चूहामार दवा खिलाकर हत्या का प्रयास करने वाले पति रामरतन सूर्यवंशी (65 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पीड़ित महिला ने 4 मई को सीपत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी उसने बताया कि उसका पति रामरतन सूर्यवंशी उसके चरित्र पर संदेह करता था और अक्सर उसके साथ मारपीट व झगड़ा करता था। रिपोर्ट के अनुसार 8 अप्रैल की सुबह करीब 8 बजे रामरतन ने घर में चूहे होने की बात कहकर पत्नी से गांव की किराना दुकान से चूहामार दवा मंगवाई। दवा लाने के बाद, रामरतन उसे कुमीहाखार से लकड़ी लाने के बहाने ले गया। वहां पहुंचकर उसने जबरदस्ती पत्नी को चूहामार दवा खिला दी जिससे वह बेहोश हो गई। परिजनों ने उसे इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया तीन दिन बाद होश आने पर महिला ने अपने बेटे को पूरी घटना बताई। महिला की रिपोर्ट पर सीपत पुलिस ने पति रामरतन सूर्यवंशी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया थाना प्रभारी ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीम बनाई और तलाश के बाद उसे पकड़ लिया पूछताछ में रामरतन ने पत्नी को चूहामार दवा खिलाने की बात स्वीकार की आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

MRP से महंगी बिक रही शराबं भाजपा नेता से बीयर के लिए 20 रुपए ज्यादा वसूल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में नए शराब ठेके होने के बाद दुकानों पर एमआरपी से 20 से 50 रुपए तक अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है पवारखेड़ा की शराब दुकान पर भाजपा युवा मोर्चा नेता ने महंगी बीयर खरीदने का लाइव वीडियो बनाकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है वहीं सिवनी मालवा के शिवपुर की दुकान का भी एक वीडियो भी सामने आया है आबकारी विभाग ने शिकायत मिलने के बाद जिले की आठ दुकानों पर कार्रवाई की है।

150 रुपए की बीयर 170 में दी कर्मचारी ने दी धमकी: भाजयुमो नेता दुर्गेश मिश्रा ने पवारखेड़ा और जिंद बाबा स्थित वाइन शॉप पर महंगी शराब बिकने का आरोप लगाया है उन्होंने पवारखेड़ा की दुकान पर जाकर खुद एक बीयर की कैन खरीदी और इसका लाइव वीडियो बनाया दुर्गेश ने बताया कि बीयर की एमएसपी 130 और एमआरपी 150 रुपए थी लेकिन उनसे 170 रुपए वसूले गए वीडियो बनाने पर कर्मचारियों ने इसे पुराना माल बताया और वीडियो बंद करने की धमकी देते हुए कहा कि हमारा कुछ नहीं होगा इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 181 पर की गई है। सिवनी मालवा के ग्राम शिवपुर स्थित शराब दुकान से भी महंगी शराब बेचने का एक वीडियो सामने आया है युवक दुकान के कर्मचारी से महंगी शराब बेचने का कारण पूछते हुए ठेकेदारों पर मनमानी करने के आरोप लगा रहा है सख्त कार्रवाई या बड़े जुर्माने के अभाव में ठेकेदारों की मनमानी के खिलाफ लोग अब सोशल मीडिया पर अपनी आवाज उठा रहे हैं।

शिवपुरी में जनगणना कार्यरत शिक्षक हादसे का शिकार अज्ञात वाहन की टक्कर से हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में जनगणना 2027 के कार्य में लगे एक शिक्षक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। शिक्षक दिनेश नरवरिया अपनी निजी मोटरसाइकिल से जनगणना संबंधी कार्य के लिए एचएलबी जा रहे थे यह घटना बुधवार को सतनवाड़ा थाने के सामने हुई जहां एक अज्ञात वाहन ने पीछे से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दिनेश नरवरिया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया लेकिन हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया जानकारी के अनुसार दुर्घटना के बाद से उन्हें अभी तक होश नहीं आया है। इस बीच मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पिपलोदा ने घटना पर चिंता व्यक्त की है उन्होंने प्रशासन से जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और घायल कर्मचारी को आर्थिक व चिकित्सीय सहायता प्रदान करने की मांग की है।

डायल-112 की तत्पर कार्रवाई से रेलवे दुर्घटना में घायल तीनों को मिली समय पर चिकित्सीय मदद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुरैना जिले के थाना जौरा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर और संवेदनशील कार्रवाई से ई-रिक्शा और मोटर साइकिल की टक्कर में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया इस त्वरित और समर्पित कार्रवाई के कारण घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 05 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना जौरा क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के पास ई-रिक्शा और मोटर साइकिल की टक्कर में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है सूचना मिलते ही जौरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही (फास्ट रिस्पॉन्स व्हीकल) को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षकमेघराज नारायण और पायलट मनोज धाकड़ ने पाया कि ई-रिक्शा और मोटर साइकिल दुर्घटना में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे डायल-112 जवानों ने तुरंत सभी घायलों को एफआरव्ही वाहन में बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जौरा पहुँचाया। घायलों को समय पर उपचार मिलने से उनकी स्थिति स्थिर हुई और गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव हुआ इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि डायल-112 की सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और भरोसेमंद साधन है जवानों की तत्परता और संवेदनशीलता ने दुर्घटना के घायलों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की डायल-112 हीरोज श्रृंखला के तहत यह घटना मध्यप्रदेश पुलिस की प्रतिबद्धता और आमजन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को दर्शाती है।

भोपाल में CTG,NSG की संयुक्त मॉक ड्रिल: आतंकी परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का किया गया आकलन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस के काउंटर टेररिस्ट ग्रुप (CTG) और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) ने भोपाल शहर में संयुक्त रूप से व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित आतंकवादी हमले की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाना था। यह अभ्यास ह्स्त द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के लिए संचालित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित किया गया उक्त प्रशिक्षण सत्र 06 अप्रैल से 04 मई तक चला, जिसमें आतंकवाद-रोधी रणनीतियों, आधुनिक तकनीकों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान भोपाल के दो संवेदनशील स्थल-राजा भोज विमानतल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन-को चिन्हित किया गया। रेलवे स्टेशन के मॉल परिसर में आयोजित ड्रिल के दौरान यह परिदृश्य निर्मित किया गया कि कुछ आतंकियों ने मॉल पर कब्जा कर आम नागरिकों को बंधक बना लिया है। सूचना मिलते ही CTG और NSG की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन शुरू किया। कमांडोज ने उच्च तकनीक वाले हथियार और रणनीतिक कौशल का उपयोग करते हुए आतंकियों को निष्क्रिय किया और सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। राजा भोज विमानतल पर भी सुरक्षा परिदृश्य का अभ्यास किया गया इसमें हवाई अड्डे की सुरक्षा संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और त्वरित प्रतिक्रिया के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल में CTG और NSG के कमांडोज के साथ डॉग स्क्वायड, बम डिस्पोजल स्क्वायड, स्थानीय पुलिस बल और प्रदेश की एंटी-टेररिज्म इकाई के अधिकारी भी सक्रिय रूप से शामिल रहे सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय संचार और त्वरित निर्णय क्षमता का प्रदर्शन इस अभ्यास के दौरान देखा गया।

शिवपुरी में NH-46 पर कांग्रेस करेगी चक्काजाम: किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी 7 मई को एनएच-46 पर पड़ौरा चौराहा पर चक्काजाम करेगी कांग्रेस नेताओं का दावा है कि इस आंदोलन में शिवपुरी जिले की पांचों विधानसभा सहित श्योपुर जिले से भी बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता शामिल होंगे चक्काजाम की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। जिला प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक एनएच-46 पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोकी जाएगी उन्होंने दावा किया कि आंदोलन में करीब 5 हजार किसान शामिल होंगे। इमरजेंसी सेवाओं और जरूरी वाहनों को नहीं रोका जाएगा उन्होंने बताया कि चक्काजाम के दौरान हाईवे पर वाहनों को एक पट्टी पर खड़ा कराया जाएगा और दूसरी लाइन इमरजेंसी सेवाओं के लिए खाली रखी जाएगी। इसी मार्ग से एंबुलेंस को निकाला जाएगा साथ ही सब्जी, फल और अन्य कच्चे माल से भरे वाहनों को नहीं रोका जाएगा, ताकि किसानों का माल खराब न हो। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हाईवे से गुजरने वाली बसों को रोका जाएगा लेकिन यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाएगा जाम में फंसे लोगों के लिए पानी और जरूरत पड़ने पर खाने की व्यवस्था की जाएगी हाईवे की दोनों पट्टियों पर पानी के वाहन भी तैनात रहेंगे जो लोगों तक पानी पहुंचाएंगे जिला प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर फिलहाल एनएच-46 पर आंदोलन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने सिरोंज पहुंचकर जिला स्तरीय जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना

आवेदनों का मौके पर निराकरण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज सिरोंज पहुंचकर जिला स्तरीय जनसुनवाई की। उन्होंने यहां आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही अधिकांश आवेदनों का निराकरण कराया है। सिरोंज में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 122 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया था। कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही 75 आवेदनों का निराकरण कराया है। शेष लंबित आवेदनों पर निर्धारित समय सीमा में निराकरण के निर्देश उपस्थित विभागों के अधिकारियों को दिए गए हैं। सिरोंज में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाकर आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये और निराकरण की पहल की है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, कृषि विभाग सहित अनेक विभागों ने स्टॉल लगाकर आवेदकों की समस्याएं सुनीं। साथ ही यहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवेदकों की स्वास्थ्य जांच की पहल भी की गई थी जहां आवेदकों की जांच उपरांत उन्हें जरूरी दवाओं का निशुल्क वितरण भी किया गया है। इसके अलावा आधार अपडेट और आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की सुविधा भी सिरोंज की जनसुनवाई में उपलब्ध कराई गई थी। सिरोंज में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम कस्बाताल के आवेदक श्री संतोष श्रीवास्तव ने पीएम और सीएम किसान सम्मान निधि योजना तहत लाभ प्राप्ति में आ रही पोर्टल संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। जिसका मौके पर निराकरण कराया गया है। इसी प्रकार ग्राम तरवरिया की आवेदिका चुक्कोबाई पिता चुक्का अहिरवार ने फोती नामांतरण नहीं करने विषयक आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने इस संबंध में कहा है कि संबंधित पटवारी द्वारा तब तक वेतन आहरण ना किया जाए जब तक कि संपूर्ण गांव की रिकॉर्ड दुरस्ती न कर दी जाए। इसके अलावा जनसुनवाई में सिरोंज क्षेत्र के आवेदक श्री इदरीश खान ने नक्शा त्रुटि सुधार एवं बटांकन नस्तीकरण के आदेशों का पालन न होने तथा पटवारी द्वारा नई फाइल पेश किए जाने के संबंध में आपत्ति संबंधी आवेदन दिया। इस आवेदन का निराकरण भी मौके पर कर दिया गया है। सिरोंज नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 21 अयोध्या बस्ती निवासी श्रीमती कपूरी बाई पत्नी गंगाराम के द्वारा शासकीय भूमि पर निर्मित मकान का पट्टा प्रदान करने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर नगर पालिका सीएमओ को शीघ्र ही आवेदक की समस्या का निराकरण करते हुए पट्टा प्रदान करने व योजना का लाभ दिलाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। सिरोंज नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 निवासी श्री रामकृष्ण महावर कोली समाज सेवा समिति द्वारा श्री रामकृष्ण मंदिर का रास्ता बंद होने के संबंध में कार्यवाही करने का आवेदन प्रस्तुत किया गया। समिति के सदस्यों ने रास्ता बंद होने संबंधी विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया जिस पर कार्रवाई करते हुए रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए गए हैं। वार्ड क्रमांक 21 सिरोंज नगरीय क्षेत्र निवासी किशवर जहां ने पट्टा प्रदाय करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वह 25 वर्षों से काबिज होकर आधिपत्यधारी हैं इस कारण उन्हें पट्टा दिलवाए जाने की बात कही गई। इस मामले में भी शीघ्र अति शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए हैं। ग्राम परसौरा के किसान श्री यशवंत सिंह ने सोयाबीन का मुआवजा दिलवाले संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसके अलावा ग्राम मदागन के सभी वार्ड वासियों ने ग्राम पंचायत साकलोन अंतर्गत ग्राम मदागन की बंजारा बस्ती में हैंड पंप लगवाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर करवाई करते हु मौके पर ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को मदागन ग्राम की बंजारा बस्ती में हैंडपंप लगवाने के निर्देश दिये गए हैं। इसके अलावा अन्य आवेदकों से भी उनसे आवेदन प्राप्ति उपरांत उनकी समस्याओं को सुना है और मौके पर ही निराकरण किया गया है।

गंगा दशहरा पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' की गूंज

पंचायतों में कलश यात्रा व जनजागरूकता कार्यक्रम होंगे आयोजित

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जी के आह्वान पर आगामी 25 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर पूरे प्रदेश की पंचायतों में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत विविध जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत कलश यात्राएं, प्रभात फेरियां, दीवार लेखन तथा ग्रामों की प्राचीन जल संरचनाओंकृजैसे बावड़ी, कुएं, सरोवर एवं तालाबकृसे विशेष कलश यात्राएं निकाली जाएंगी। अकार्यक्रम से पूर्व इन जल संरचनाओं की स्वच्छता कर विधिवत पूजन किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस अभियान में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर सखियों के नेटवर्क के साथ ग्रामीणों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विदिशा की जिला समन्वयक श्रीमती पूजा श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि गंगा दशहरा के दिन जिले के सभी 7 विकासखंडों के 35 सेक्टरों में गठित 12 नगर विकास एवं 175 ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से उक्त गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जिले के आमजन एवं युवाओं से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण प्रयास को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में सोराइटिक-आर्थराइटिस रोग के लिए उपचार उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, सीहोर(निप्र)। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल, एम्स भोपाल एवं केन्द्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में वर्ष 2021 से संचालित सोरायसिस विशेषज्ञ इकाई में नवीन शोध एवं उपचार व्यवस्था की गई है। उक्त इकाई में अब सोराइटिक आर्थराइटिस नामक रोग के उपचार की व्यवस्था भी की गई है। यह इकाई रोग के कारण, पहचान एवं होम्योपैथी से प्रभावी उपचार एवं प्रबंधन पर कार्य करेगी और मरीजों को जागरूक करेगी। सोराइटिक आर्थराइटिस जोड़ों से जुडी एक गंभीर बीमारी है, जो त्वचा रोग सोरियासिस से जुडी होती है और धीरे-धीरे जोड़ों को प्रभावित करती है। इस रोग में त्वचा का लाल, मोटी एवं पपड़ीदार दिखाई देना शामिल है, जिनमें खुजली एवं जलन हो सकती है एवं मरीजों को जोड़ों में दर्द, सूजन, जकड़न और थकान जैसी समस्याओं का सामना करना पडता है। यह रोग मुख्यतः 30 से 50 वर्ष आयु में अधिक देखा जाता है। हालांकि यह किसी भी उम्र में हो सकता है, पुरुष और महिलाएँ दोनो समान रूप से प्रभावित हो सकते हैं। इसकी गंभीरता हल्की से लेकर अत्यंत गंभीर तक हो सकती है, जहाँ समय पर उपचार न मिलने पर स्थायी रूप से जोड़ों की क्षति हो सकती है। असोरियासिस और आर्थराइटिस के बीच के संबंध का कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में गड़बड़ी को माना जाता है।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को आजीवन कारावास

पिता के खिलाफ 8 साल के बेटे की गवाही बनी सजा का आधार; वारदात के 3 साल में फैसला

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में 3 साल पहले पत्नी की हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने आपसी विवाद में पत्नी के सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी थी। तृतीय जिला न्यायाधीश बरखा दिनकर ने धारा 302 के तहत फैसला सुनाते हुए 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले में 8 साल के बेटे की गवाही को कोर्ट ने अहम माना। मामले में मृतका के 8 साल के बेटे की गवाही सबसे महत्वपूर्ण रही। उसने अदालत में बताया कि घटना के समय घर में वह, उसका छोटा भाई और माता-पिता मौजूद थे।

पिता ने उसकी मां के सिर पर पत्थर मारा, जिससे उसकी मौत हो गई।

7 मार्च 2023 को हुई थी घटना: लोक अभियोजक सतीश त्रिपाठी के अनुसार घटना 7 मार्च 2023 की है। आरोपी मानसिंह (32) निवासी ग्राम पथवारी ने आपसी विवाद के दौरान पत्नी पर पत्थर से हमला किया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। सुबह उठने पर बेटे ने अपनी मां को मृत पाया और दादाजी को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

पत्थर पर मिला खून, 8 गवाह पेश: पुलिस ने जांच के दौरान हत्या में इस्तेमाल पत्थर बरामद किया, जिस पर खून के निशान मिले। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 8 गवाह पेश किए, जिनके आधार पर अपराध साबित हुआ। न्यायालय ने अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत मृतका के परिवार को मुआवजा देने की अनुशंसा भी की है। मामले में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक सतीश त्रिपाठी ने की।

कार में अचानक लगी आग

ग्रामीणों और फायर फाइटर ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर,बेड़िया (निप्र)। सनावद-खरगोन मार्ग पर ग्राम बेड़ियां के पास अंबा और रोडिया के बीच सोमवार दोपहर चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। तेज गर्मी के बीच हुई इस घटना में चालक की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। कार में सवार दो बच्चे, एक महिला और चालक समय रहते बाहर निकल गए, जिससे सभी की जान बच गई। अहिरखेड़ा पुलिस चौकी के अनुसार कार हरियाणा क्षेत्र की थी और उसमें सवार यात्री खरगोन की ओर आ रहे थे। घटना दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि कार के अगले हिस्से में अचानक आग लगी, जो देखते ही देखते पूरे वाहन में फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चलते वाहन से पहले धुआं उठता दिखा और फिर आग भड़क गई। चालक ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोका और सभी सवारों को सुरक्षित बाहर निकाला। कुछ

ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में बेड़ियां से पहुंचे फायर फाइटर की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि थोड़ी भी देर होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर तेज गर्मी या तकनीकी खराबी को वजह माना जा रहा है।

नीमच में पिकअप ने युवक को कुचला, मौत

वाहन छोड़कर भागा आरोपी; तलाश रही पुलिस

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच जिले के कुकड़ेश्वर और घोटा पिपलिया के बीच मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे एक तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार रतन पिता रामचंद्र कुशवाहा निवासी कुकड़ेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक पिकअप के नीचे ही दब गया था। वाहन के नीचे फंसे युवक को निकालने में हुई मशक्कत प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक बाइक सहित पिकअप (MP44ZD8922) के नीचे बुरी तरह फंस गया था। सूचना मिलने पर पहुंची कुकड़ेश्वर पुलिस को शव को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। राहगीरों की भीड़ के बीच पुलिस ने शव को मनासा के शासकीय अस्पताल भेजा।

फरार चालक की तलाश कर रही पुलिस: हादसे के तुरंत बाद पिकअप चालक अपना वाहन मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने मनासा शासकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मर्ग कायम कर पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश की जा

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 1149 बच्चों का टीकाकरण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 05 मई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 767 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 382 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

छतरपुर में आंधी के बीच दो बाइकों की टक्कर

शादी से लौट रहे युवक की मौके पर मौत; दो घायल गंभीर

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में मंगलवार को तेज आंधी के दौरान एक सड़क हादसा हो गया। आंधी के कारण संतुलन बिगड़ने से दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान रामकिशोर उर्फ बाबू कुशवाहा (26), निवासी मंडी के पीछे, छतरपुर के रूप में हुई। हादसे में कोमल कुशवाहा (25) और महेश कुशवाहा (32), निवासी ग्राम मौराहा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि रामकिशोर एक शादी समारोह से अपने घर लौट रहा था। वहीं, कोमल और महेश खेत से वापस आ रहे थे। तेज आंधी के कारण सामने से आ रही दूसरी बाइक अनियंत्रित हो गई और रामकिशोर की बाइक से टकरा गई। **तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े थे:** टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने रामकिशोर को मृत घोषित कर दिया, जबकि कोमल और महेश की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय इलाके में तेज धूल भरी आंधी चल रही थी, जिससे सड़क पर दृश्यता काफी कम हो गई थी। इसी कारण दोनों बाइक सवार एक-दूसरे को समय रहते देख नहीं पाए और यह दुर्घटना हो गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजन भरत कुशवाहा ने बताया कि रामकिशोर परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। घायल महेश कुशवाहा ने जानकारी दी कि वे दोनों खेत से लौट रहे थे, तभी अचानक तेज संतुलन बिगड़ गया।

मंदसौर के रहवासी इलाके में 7 फीट लंबा मगरमच्छ

रात के अंधेरे में गांव में घुसा; वन विभाग ने रेस्क्यू कर चंबल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम दोबड़ा में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 7 फीट लंबा मगरमच्छ रहवासी इलाके में घुस आया। रात के समय मगरमच्छ को गांव की सड़कों पर घूमता देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

7 फीट लंबे मगरमच्छ का सुरक्षित रेस्क्यू: मगरमच्छ दिखने पर ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी थी। मंदसौर वन मंडल की रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा

लिया। टीम प्रभारी पुष्कर मालवीय के नेतृत्व में वन रक्षक जितेंद्र सिंह पंवार, कादर गोंदिया और सहयोगी दीपक नगर ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब 7 फीट लंबे इस मगरमच्छ का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया।

चंबल के बैकवाटर (संजीत नदी) में छोड़ा: रेस्क्यू किए गए मगरमच्छ को मंगलवार अल सुबह सुरक्षित रूप से चंबल के बैकवाटर क्षेत्र स्थित संजीत नदी में छोड़ दिया गया। गनीमत रही कि इस पूरी घटना के दौरान मगरमच्छ ने किसी भी ग्रामीण या मवेशी को नुकसान नहीं पहुंचाया। समय रहते वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

वन विभाग ने ग्रामीणों से की अपील: इस घटना के बाद वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यजीवों के गांव या रहवासी इलाके में आने पर घबराएं नहीं। ऐसे मामलों में खुद से किसी भी प्रकार की जोखिम भरी कोशिश करने के बजाय तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि उनका सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

50 बारातियों से भरी बस डिवाइडर पर चढ़ी

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन में मंगलवार शाम सागर रोड टोल नाके के आगे एक बड़ा हादसा टल गया। करीब 50 बारातियों से भरी तेज रफ्तार बस ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। गनीमत रही कि इस दौरान कोई यात्री घायल नहीं हुआ। घटना शाम करीब 7:30 बजे की है। तेज रफ्तार बस डिवाइडर पर चढ़ने के बाद करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई, जिससे डिवाइडर भी क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टोल नाके के आगे क्रॉसिंग के पास ओवरटेक करते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ। बस में मची अफरा-तफरी,

सभी सुरक्षित बस में सवार बाराती मंडीदीप से देवगांव के पास एक गांव जा रहे थे। अचानक हुए हादसे से बस में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित रहे। करीब डेढ़ से दो घंटे की मशक्कत के बाद रात 9 बजे डंपर की मदद से बस को डिवाइडर से नीचे उतारा गया। इसके बाद यात्री दोबारा यात्रा पर रवाना हुए।

सीहोर में खेत के टप्पर में आग, ग्रामीणों ने बुझाई

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के भैरूंदा क्षेत्र के हबीबनगर गांव में एक खेत के टप्पर में आग लगने से किसान को भारी नुकसान हुआ है। अज्ञात कारणों से लगी इस आग में किसान का लाखों रुपये का सामान जल गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम हबीबनगर निवासी रामकृष्ण

मालवीय के खेत में बने टप्पर में अचानक आग लग गई। गर्मी और तेज हवा के कारण आंग तेजी से फैल गई। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों और ग्रामीणों ने आग की लपटें देखकर तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक टप्पर में रखा कृषि संबंधी सामान जलकर नष्ट हो चुका था। पीड़ित किसान रामकृष्ण मालवीय ने बताया कि इस अग्निकांड में उन्हें लगभग 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। जले हुए सामान में कृषि उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री शामिल थी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रशासन और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

सागर में लग्जरी कार से 15 पेटी शराब पकड़ाई

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की राहतगढ़ थाना पुलिस ने शराब से भरी कार पकड़ी है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी गोपालगंज और सुरखी थाने के मामलों में फरार चल रहा था। उस पर एक-एक हजार का ईनाम घोषित है। पुलिस ने कार्रवाई कर शराब और कार जब्त की है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम झिला रोड से कार में अवैध रूप से शराब का परिवहन किया था रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम कार्रवाई करने रवाना हुई। टीम ने झिला रोड पर घेराबंदी कर कार क्रमांक एमपी 15 सीबी 0861 को पकड़ा। कार में सवार चालक को हिरासत में लिया।

नर्मदापुरम में डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर

गेहूं से भरी ट्रॉली पलटी; सड़क पर बिखरा अनाज, ड्राइवर और हेल्पर घायल

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर ग्राम निमसाड़िया के पास मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर ने गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली पलट गई और उसमें रखा सारा गेहूं सड़क पर बिखर गया। दुर्घटना में ट्रैक्टर का ड्राइवर और हेल्पर घायल हो गए हैं, जबकि डंपर का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अनाज मंडी की ओर जा रही थी ट्रैक्टर-ट्रॉली: जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली नर्मदापुरम अनाज मंडी की ओर आ रही थी। ट्रैक्टर को दुर्गेश पाल चला रहा था और पवन उसके साथ बैठा था। इसी दौरान नर्मदापुरम की ओर ही आ रहे रेत से भरे डंपर (स्क्क 38 त्र 4688) ने निमसाड़िया के पास

ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली को बाजू से टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर सीधे बागुड़ में जा घुसा।

डंपर के नीचे दबा ट्रैक्टर का अगला हिस्सा: डंपर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रॉली पलट गई और ट्रैक्टर का स्टेयरिंग वाला हिस्सा टूटकर डंपर के नीचे दब गया। हादसे में ड्राइवर दुर्गेश और उसका साथी पवन घायल हो गए, जिन्हें वहां से गुजर रहे राहगीरों की मदद से उठाया गया। घटना को अंजाम देने के बाद डंपर का ड्राइवर मौके से भाग निकला। सड़क से समेटा गया गेहूं, डंपर चालक पर FIR

हादसे की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर बिखरे हुए गेहूं को समेटकर उठाया गया। देहात थाना पुलिस ने टक्कर मारने वाले फरार डंपर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश के साथ ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वैभव के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा : मांजरेकर

मुम्बई ,एजेंसी । पूर्व किकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कहा है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टी20 किकेट में धूम मचा रखी है पर उनके लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। मांजरेकर ने माना कि जिस प्रकार से वैभव 15 साल की उम्र में खेल रहे हैं उससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने लिए सभी योग्यताएं हासिल कर चुके हैं। उनका मानना है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय किकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आते हैं हालांकि ये उनक लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल और यशस्वी जयसवानल जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। वैभव ने अपने पिछले साल के पहले आईपीएल सत्र में ऐतिहासिक शतक लगाकर किकेट जगत को हैरान किया दिया था। इसके बाद, उन्होंने घरेलू किकेट और अंडर-19 स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इस साल के अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भी उनकी 175 रनों की रिकार्ड पारी भी शामिल रही।

ऐसे में भारतीय किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आईपीएल के तुरंत बाद उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग बढ़ गयी थी। मांजरेकर भी मानते हैं कि वह टी20 टीम के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए। जहां उन्होंने महाराष्ट्र के खिलाफ़ एक शतक भी बनाया है। मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर कोई खिलाड़ी इस तरह से इस बड़े मंच पर खेल रहा है, तो इसका मतलब है कि वह पूरी तरह से तैयार है। मांजरेकर ने साथ ही ये भी कहा कि टीम में पहले से ही शुभमन और यशस्वी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, ऐसे में सूर्यवंशी को टीम में शामिल करना उतना आसान नहीं होगा।

गगन नारंग: ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में पदक जीत बढ़ाया देश का नाम

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारत में निशानेबाजी के क्षेत्र में गगन नारंग का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। नारंग ने ओलंपिक में पदक जीतकर वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। गगन नारंग का जन्म 6 मई 1983 को चेन्नई, तमिलनाडु में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था। गगन का परिवार हरियाणा के पानीपत जिले के शिमला गुजरां गांव से है। नारंग के पिता भीमसेन नारंग को नौकरी की वजह से हैदराबाद में रहना पड़ा, जहां उनका पालन-पोषण हुआ। हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) की पढ़ाई करने वाले नारंग ने 1997 में निशानेबाजी शुरू की थी। इसी साल उनके पिता ने उन्हें एयर पिस्टल भेंट की थी। नारंग के करियर पर गौर करें तो उन्होंने 26 अक्टूबर 2003 को हैदराबाद में एफो एशियाई खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद विश्व कप 2006 में एयर राइफल स्वर्ण पदक जीता। नारंग ने 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में 4 स्वर्ण पदक जीता था।

प्लेऑफ का शेड्यूल और वेन्यू घोषित

नई दिल्ली,एजेंसी । भारतीय किकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के प्लेऑफ का शेड्यूल और वेन्यू बुधवार को घोषित कर दिया। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। 70 मैचों के बाद टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर 26 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इसमें अंकतालिका की दो शीर्ष टीमें एक दूसरे के आमने-सामने होंगी। इसके बाद न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल किकेट स्टेडियम में 27 मई को तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा। 29 मई को इसी मैदान पर क्वालीफायर 2 भी आयोजित होगा। क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर की विजेता और क्वालीफायर 1 में हार का सामना करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी। इस मैच से आईपीएल 2026 का दूसरा फाइनलिस्ट मिलेगा। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का फाइनल खेला जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा किकेट स्टेडियमहै, और यहां एक रोमांचक फाइनल की उम्मीद है। आईपीएल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जानकारी दी है कि कुछ ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक वजहों से इस सीजन का प्लेऑफ और फाइनल तीन जगहों पर कराया जाएगा।

फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा

पूर्व में आईपीएल 2026 का फाइनल बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था। स्थानीय एसोसिएशन, अधिकारियों की कुछ मांगों की वजह से बीसीसीआई ने फाइनल का वेन्यू बेंगलुरु से अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया। जानकारी के मुताबिक स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की मांग बोर्ड के निर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक कुछ राजनीतिक कारणों के चलते भी बेंगलुरु को प्लेऑफ या फाइनल की मेजबानी नहीं दी गई है। बता दें कि कुल 74 मैचों वाले आईपीएल के मौजूदा सीजन का आखिरी लीग मैच 24 मई को खेला जाएगा। 24 मई रविवार है और इस दिन 2 मैच खेले जाने हैं। पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। इस मैच के बाद शीर्ष-4 टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

आईसीसी की ताजा मेंस टी20 रैंकिंग जारी मजबूती के साथ नंबर-1 पायदान पर भारत

दुबई ,एजेंसी । आईसीसी ने मेंस टी20 टीम की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत शीर्ष पर मजबूती के साथ खड़ा है। मंगलवार को जारी ताजा अपडेट में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में, भारत 275 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ नंबर-1 पायदान पर है। हालांकि, भारत की बढ़त थोड़ी कम हुई है, फिर भी टीम दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड (262) से काफी आगे है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 258 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर उनके ठीक पीछे है। इस नए अपडेट में, मई 2025 के बाद खेले गए मुकाबलों को 100 प्रतिशत और पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को 50 प्रतिशत वेटेज दिया गया है। यह अपडेट टी20 किकेट में भारत के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाता है। भारत ने इस फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम इंडिया ने साल 2024 और 2026 में लगातार दो बार मेंस टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है। टॉप-7 रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जो दिखाता है कि टॉप टीमों के बीच कितनी निरंतरता है। न्यूजीलैंड (247) चौथे स्थान पर बना हुआ है, जिसके बाद साउथ अफ्रीका (244) पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज (233) कमशः छठे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं।

प्वाइंट्स टेबल में थोड़ा नीचे देखें तो, बांग्लादेश एक रेटिंग प्वाइंट हासिल करके 8वें स्थान पर पहुंच गया है। उसे इसका फायदा इसलिए मिला, क्योंकि श्रीलंका 6 प्वाइंट्स गंवाकर 9वें स्थान पर खिसक गया। अफगानिस्तान 10वें स्थान पर श्रीलंका के ठीक पीछे है, दोनों के बीच सिर्फ एक प्वाइंट का फासला है।

ताजा रैंकिंग में कई टीमों ने शानदार छलांग लगाई है। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) सबसे बड़े बदलाव करने वाली टीमों में शामिल रही और छह रेटिंग अंक हासिल कर दो स्थान ऊपर चढ़ते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गई। इसके साथ उसने नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड को पछाड़ दिया, जो अब कमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार है, जबकि नेपाल और ओमान ने एक-एक स्थान की छलांग लगाते हुए कमशः 17वें और 19वें स्थान पर जगह बनाई।

निचले हिस्से में इटली सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाली टीमों में रही, जिसने 11 अतिरिक्त रेटिंग अंक हासिल कर तीन स्थान की छलांग लगाते हुए 23वां स्थान हासिल किया। वहीं, स्पेन और साइप्रस ने भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया, जबकि मोजाम्बिक को बड़ा झटका लगा और वह 15 स्थान नीचे खिसक गई।

चैंपियंस लीग: आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को हराकर फाइनल में जगह नाई

लंदन ,एजेंसी । बुकायो साका के हाफ-टाइम से ठीक पहले किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ दूसरे लेग में 1-0 से जीत हासिल करते हुए कुल 2-1 से जीत के साथ फाइनल में जगह बना ली। आर्सेनल 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंची है। मिकेल आर्टेटा की टीम ने खेल के शुरुआती दौर में दबदबा बनाया, लेकिन मेहमान टीम ने जूलियन अल्वारेज के साथ पहला मौका बनाया, जिन्होंने आठ मिनट में गिउलिआनो शिमोन के कॉस पर एक तेज अटैक करके गेंद को बाहर कर दिया। आर्सेनल को पहले हाफ में ज्यादातर समय लंबी दूरी के प्रयासों का सहारा लेना पड़ा, लेकिन इंटरवल के करीब आने पर मेजबान टीम को सफलता मिली। विक्टर ग्योकेरेस ने पेनल्टी स्पॉट के बाई ओर स्पेस में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड को अच्छी तरह से चुना, और बेल्जियम के अटैकर ने भीड़ वाले क्षेत्र में अपना शॉट मारने के लिए एंगल बनाया। जान ओब्लाक स्ट्राइक को सिर्फ रोक पाए। बुकायो साका ने सबसे तेजी से रिबाउंड लिया।

एटलेटी ने दूसरे पीरियड की शुरुआत शानदार तरीके से की। एंटोनी ग्रीजमैन ने 11 मिनट बाद डेविड राया को एक तेज ड्राइव से स्मार्ट स्टॉप करने पर मजबूर किया।

दोनों टीमों ने घंटे भर पहले तीन बार सब्स्टीट्यूशन किया। यह आर्सेनल के बदलाव थे जिन्होंने गेम को लगभग पक्का कर दिया था।

खजान सिंह: महान तैराक, वैश्विक खेलों में देश के लिए जीते पदक

नई दिल्ली ,एजेंसी । भारत में तैराकी एक पारंपरिक खेल है। आधुनिक समय में वैश्विक स्तर पर इस खेल को पेशेवर रूप में खेला जाता है। एक पेशेवर खेल के तौर पर तैराकी भारत में विकासशील अवस्था में है। भारत में तैराकी को एक पेशेवर खेल के रूप में स्थापित करने में जिन तैराकों ने अहम भूमिका निभाई है, उसमें खजान सिंह का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। खजान सिंह का जन्म 6 मई 1964 को दिल्ली के मुनिरका गांव में हुआ था। उनका पूरा नाम खजान सिंह टोकस है। खजान सिंह ने अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान ही तैराकी में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। 1981-82 की नेशनल स्कूल चैंपियनशिप में खजान सिंह ने अपनी पहचान बनाई। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीते थे। इसके बाद, 1982 में दिल्ली में आयोजित नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण, दो रजत, और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके अगले साल त्रिवेंद्रम में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने सात स्वर्ण, दो रजत, और एक कांस्य पदक जीते।

1987 में अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय जलीय चैंपियनशिप में खजान सिंह ने न केवल सात स्वर्ण पदक जीते, बल्कि 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 55.21 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने 1984 के दक्षिण एशियाई खेलों में बनाया गया अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 1988 में कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में उन्होंने आठ व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिनमें से पांच नए रिकॉर्ड भी शामिल थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खजान सिंह ने 1986 के सियोल एशियाई खेलों में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि विशेष थी। इस पदक के बाद भारत को एशियाई खेल में अगला पदक 24 साल बाद वीरधवल खाड़े ने 2010 में आयोजित एशियाई खेलों में दिलाया। खाड़े ने कांस्य पदक जीता।

खजान सिंह का दक्षिण एशियाई खेलों में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 1984 काठमांडू खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 1989 में इस्लामाबाद में आयोजित खेलों में कुल सात पदक हासिल किए थे। 1988 एशियाई तैराकी चैंपियनशिप (बीजिंग) में कांस्य और विश्व पुलिस खेलों में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई थी।

ब्रिसबेन में 1982 में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में, 1988 में सियोल ओलंपिक में खजान सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारत सरकार ने 1984 में उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

मुम्बई ,एजेंसी । भारतीय किकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुम्बई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया। गावस्कर ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा कि टी20 किकेट में पेशेवर खिलाड़ियों का नो बाल फेंकना बिल्कुल भी स्वीका नहीं किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा, मुझे फिर मत सिखाये। मुझे मत बताइए कि बुमराह ने नो-बॉल फेंकी है। यह स्वीकार्य नहीं है। आप एक पेशेवर किकेटर हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। वाइड गेंद समझ में आती है पर नो-बॉल नहीं।गौरतलब है कि लखनऊ के खिलाफ भी बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और अपने ओवरों में उन्होंने 45 रन दे दिये। आईपीएल 2026 में बुमराह ने 10 मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं। यही कारण है कि मुंबई इंडियंस को कई मुकाबलों में हार कसा सामना करना पड़ा है। बुमराह डेथ ओवर्स में दबाव बनाते थे और मुम्बई को आगे रखते थे, पर इस बार ऐसा नहीं हो पाया जिससे विरोधी टीमों के बल्लेबाज हावी हो गये।

ग्रैंड स्लैम का बहिष्कार अपने अधिकारों के लिए लड़ने का एकमात्र तरीका: एरिना सबालेंका

नई दिल्ली ,एजेंसी । दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में ज्यादा हिस्सा पाने के खिलाड़ी हकदार हैं। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि ज्यादा हिस्से के लिए टूर्नामेंट का बहिष्कार करने को भी तैयार हैं। एरिना सबालेंका ने इटैलियन ओपन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि शो हमारी तरफ से है। हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होता। वह एंटरटेनमेंट नहीं है। हम निश्चित रूप से अधिक राशि पाने के हकदार हैं। मुझे लगता है कि किसी समय हम बहिष्कार करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा, हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। मुझे लगता है कि कुछ चीजें खिलाड़ियों के साथ बहुत गलत हैं। किसी समय यह अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगा। पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम बॉस को दो पत्र साइन किए थे। इसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास, और मातृत्व के अवसर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान करने की मांग की गई थी। पत्र में टूर्नामेंट राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जिससे मेजर टूर्नामेंट एटीपी मेन्स टूर और विमेंस डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-लेवल इवेंट्स के बराबर आ जाएंगे।

महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन की विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने कहा, टूर्नामेंट के बहिष्कार का निर्णय थोड़ा ज्यादा हो जाएग। स्वियाटेक ने कहा, सच कहूं तो सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उम्मीद है कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक करने का मौका मिलेगा और हम देखेंगे कि उसमें क्या होता है।

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा काफी नहीं है। पिछले साल फ्रेंच ओपन की कमाई 395 मिलियन यूरो थी, जो उसके पहले के वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कुल पर्स में सिर्फ 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खिलाड़ियों का राजस्व हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है। अनुमान के मुताबिक इस साल फ्रेंच ओपन का राजस्व 400 मिलियन यूरो से ज्यादा हो जाएगा। इसी वजह से खिलाड़ी अपनी राशि को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। एरिना ने फ्रेंच ओपन 2026 की शुरुआत से पहले अपनी मांग रखकर आयोजकों को निश्चित रूप से पुरस्कार राशि पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ा दिया है। फ्रेंच ओपन 2026 का 18 मई से 7 जून 2026 तक खेला जाना है।

बदले हुए बस्तर में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास

राज्यपाल ने कोंडागांव में ली फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोंडागांव प्रवास के दौरान जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि माओवाद के प्रभाव में आई कमी के बाद बस्तर की परिस्थितियां अब बदल चुकी हैं। इस नए परिदृश्य में अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। राज्यपाल डेका ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सघन पौधरोपण और जल संचयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गांवों में वर्षा से पूर्व और पश्चात के जल स्तर का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचना को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए राज्यपाल ने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की वैल्यू

एडिशन और बेहतर मार्केटिंग चेन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने और इसकी सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने की बात कही। महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए राज्यपाल ने 08 मई को विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, जिसमें मुख्य रूप से स्तन कैंसर (Breast Cancer) की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके साथ ही टीबी उन्मूलन, नशा मुक्ति और रेड कॉस की सदस्यता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। विद्यार्थियों में अनुशासन और देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए एनसीसी (NCC) का विस्तार करने और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री जन-मन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों को शासन की सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिलना चाहिए, ताकि उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आए। बैठक के अंत में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण केवल नियमों से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना के साथ किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह- दुर्ग में 19 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने दिया आशीर्वाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला मुख्यालय दुर्ग के सिविल लाइन स्थित विवेकानंद भवन में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और नवदंपत्तियों को सुखद वैवाहिक जीवन का शुभाशीष दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्य कम में 19 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार और सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह के बंधन में बंधे। शासन की ओर से नवविवाहितों को दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं, श्रृंगार सामग्री, पायल, बिछिया और हाथ घड़ी सेट भेंट किए गए। प्रत्येक वधू के बैंक खाते में 35,000 रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित की गई। केबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि यह योजना निर्धन परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सामूहिक विवाह कार्य कम समाज में समानता और सहयोग की भावना को प्रबल करते हैं। इससे न केवल फिजूलखर्ची और सामाजिक कुरीतियों पर लगाम लगती है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह पूरे सम्मान और गरिमा के साथ संपन्न होता है। उन्होंने गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा संपन्न कराए गए संस्कारों की सराहना की और सफल आयोजन के लिए विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। कार्य कम में सभापति श्याम शर्मा, पार्षद कांशीराम कोसरे, कमल देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, साजन जोसफ, अनिकेत यादव, श्रीमती सुमन वर्मा सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन ने समाज में सामूहिक उत्तरदायित्व का एक अनुपम उदाहरण पेश किया।

भीषण गर्मी में राहत सुखबासुपारा में नलकूप खनन से दूर हुई पेयजल समस्या

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में बढ़ती भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड अंतर्गत ग्राम सपघरा के सुखबासुपारा में नलकूप खनन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के ग्रामीणों ने सीएम कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन देकर पेयजल समस्या के समाधान की मांग की थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नलकूप खनन कराया, जिससे अब ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल गई है। नलकूप शुरू होने के साथ ही गांव में खुशी का माहौल है। अब लोगों को पानी के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने इस त्वरित पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं प्रशासन का आभार जताते हुए इसे भीषण गर्मी के बीच बड़ी सौगात बताया है।

मेहनत की चमक और सरकारी संबल

श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप संवार रही अपना भविष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। राज्य शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत हो उठा है।

बिलौरी से संस्कार सिटी तक: बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक, नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत से सफलता का नया अध्याय लिखा है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है। वर्तमान में डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययनरत है और उसे कक्षा बारहवीं तक की पूरी शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

सरकार बनी प्रगति का आधार: इस उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल है। मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। डिंपल कश्यप के पिता नंदकिशोर कश्यप ने कहा कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। हम दिन-रात मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि बच्चों क्र भविष्य हमारे संघर्षपूर्ण जीवन से बेहतर हो सके। सरकार की योजना ने हमारे धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं।

समाज के लिए एक प्रेरणा: ग्राम बिलौरी-2 की गलियों से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर उन सभी परिवारों के लिए मिसाल है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। कश्यप दंपत्ति आज न केवल गौरवान्वित हैं, बल्कि उन्हें विश्वास है कि उनकी बेटी सफलता के उस आसमान को छुएगी जिसकी उन्होंने कभी कल्पना की थी। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकारी योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

सुशासन तिहार विश्वास, विकास और समाधान का उत्सव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'सुशासन तिहार 2026' आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का माध्यम बन गया है। गांव-गांव, द्वार-द्वार पहुंचने की मंशा के साथ शासन और प्रशासन सीधे लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे जनसामान्य में विश्वास और उत्साह का वातावरण निर्मित हो रहा है। इसी कम में कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम ईरफ में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर एक प्रेरक बदलाव का साक्षी बना। शिविर में जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त किए और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया। शिविर में ग्राम बड़े बांका निवासी 28 वर्षीय लखनलाल यादव भी अपनी समस्या लेकर पहुंचे। वर्ष 2023 में हुए एक भीषण सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी थी। 04 जनवरी 2023 को हुई दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए, जिसके बाद उनका जीवन पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो गया।

बैसाखियों के सहारे चलना-फिरना उनके लिए रोजमर्रा की चुनौती बन गया था। लेकिन 'सुशासन तिहार' ने उनके जीवन में नई उम्मीद का संचार किया। शिविर के दौरान उन्हें बैटरी संचालित ट्राइसाइकिल प्रदान की गई, जिसने उनकी जिंदगी को फिर से गति दे दी। अब वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सहजता और आत्मनिर्भरता के साथ कर सकेंगे। ट्राइसाइकिल प्राप्त करते ही उनके चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दी। लखनलाल यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें कहीं आने-जाने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट किया।

कल्याणकारी योजनाओं से संवर रहा तनीषा का भविष्य

बास्तानार के श्रमिक किरण ठाकुर की प्रेरक कहानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संबल देने की शासन की मंशा अब धरातल पर रंग लाती दिख रही है। बस्तर जिले के बास्तानार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम तुरांगुर के निवासी किरण ठाकुर की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ सरकारी सहायता ने एक पिता के अपनी बेटी को शिक्षित करने के संकल्प को नई उड़ान दी है। तनीषा ठाकुर (कक्षा 9वीं की छात्रा) और उनके पिता किरण ठाकुर पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना एवं अन्य सहायक योजनाएंसे उसे कुल सहायता 5,000 की प्रत्यक्ष आर्थिक मदद मिली। पंजीकृत निर्माण श्रमिक के रूप में कार्यरत किरण ठाकुर अपनी बेटी तनीषा को बेहतर भविष्य देने के लिए सतत प्रयासरत थे। जब उन्हें शासन की मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना विलंब किए श्रम संसाधन केंद्र में आवेदन किया। शासन की तत्परता से इसके परिणाम शीघ्र ही प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति डीबीटी (क्ठज) के माध्यम से सीधे बैंक खाते में 3 रूपए की राशि हस्तांतरित की गई। अतिरिक्त सहायता के रूप में निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी सहायता योजना के तहत 2 हजार रूपए की राशि प्राप्त हुई। हितग्राही श्रमिक किरण ठाकुर ने कहा कि श्रम विभाग की ये योजनाएं हम जैसे हजारों श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन योजनाओं की निरंतरता से अब गरीब बच्चों की शिक्षा में पैसों की कमी कभी आड़े नहीं आएगी। कुल 5 हजार रूपए की इस आर्थिक सहायता ने न केवल तनीषा की पढ़ाई की राह में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर किया है, बल्कि पूरे परिवार में एक नया आत्मविश्वास जगाया है।

चौपाल में मिली राहत, सरलाबाई मरावी की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया। सरलाबाई मरावी, पति श्री लल्लूराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही यह बात सुनी, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और तुरंत निराकरण सुनिश्चित कराया। अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी।सरलाबाई ने यह भी बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे घरेलू खर्चों में सहारा मिलता है।

सुशासन से साकार हुआ सपना जयकुमारी को मिला पक्का घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित 'सुशासन तिहार' ग्रामीण अंचलों में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत लोइंग में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर एक ऐसे ही परिवर्तन का साक्षी बना, जहां ग्राम भिखारीमाल की निवासी जयकुमारी प्रधान को उनके पक्के घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपकर उनके वर्षों पुराने सपने को साकार किया गया। जयकुमारी प्रधान लंबे समय से एक जर्जर कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ रह रही थीं। हर मौसम उनके लिए नई चुनौती लेकर आता था। विशेषकर बारिश के दिनों में टपकती छत, कमजोर दीवारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार बनी रहने वाली चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

बलौदा बाजार जिले की 4 स्वास्थ्य संस्थाएं हुई एनक्यूएएस प्रमाणित

रायपुर,। बलौदाबाजार जिले में स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में एक बार पुनः प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है । इस बार आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहरा 94.16 मोहभट्टा 92.61सकलोर 95.36 प्रतिशत के साथ एनक्यूएएस प्रमाणित हुआ जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दतान को 88.59 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं । इसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को 12 सेवाओं तथा पीएचसी को 6 विभागों हेतु प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि एनक्यूएएस निरीक्षण में सेवा प्रावधान।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पत्थलगांव कुनकुरी सड़क मरम्मत में आई तेजी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सख्त निर्देश के बाद पत्थलगांव से कुनकुरी के बीच अपूर्ण सड़क भाग के मरम्मत कार्य में अब आई तेजी। विगत दिवस बलरामपुर में आयोजित सरगुजा संभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस सड़क की खराब स्थिति और मरम्मत में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि अपूर्ण सड़क के कारण आमजन को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए इस मार्ग का शीघ्र सुधार अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई शुरू करते हुए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता में रखा गया है। शासन के प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी पत्र अनुसार पत्थलगांवङ्कुनकुरी मार्ग के अपूर्ण भाग के मरम्मत हेतु पूर्व में प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मरम्मत कार्य को जोनल एजेंसी के माध्यम से शीघ्र शुरू किया जाएगा। यदि जोनल एजेंसी उपलब्ध नहीं होती है, तो संबंधित संभागों के प्रचलित अनुबंध के अंतर्गत भी कार्य संपादित किया जा सकेगा। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता अंबिकापुर को निर्देशित किया गया है कि वे मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक अपना मुख्यालय कुनकुरी में स्थापित करें, ताकि कार्यों की सतत निगरानी और त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न हो।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026

किसान रथों के जरिए खेतों तक पहुँचेगी आधुनिक तकनीक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि परिदृश्य को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। खरीफ सीजन 2026 की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से धमतरी जिले में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। इस विशेष अभियान के तहत तकनीक और जागरूकता का संदेश लेकर निकलने वाले 'किसान रथ' को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस अभियान का लक्ष्य उन्नत कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ किसानों तक पहुँचाना है। यह सघन जागरूकता अभियान 05 मई से 20 मई 2026 तक संचालित होगा। जिले के चार प्रमुख विकासखंडों–धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी के चयनित 96 ग्रामों को इस अभियान के दायरे में लाया गया है। अभियान के पहले दिन पुरी, बिजनापुरी, दहदहा और पथरीडीह जैसे गाँवों में रथ का जोरदार स्वागत हुआ, जहाँ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सरपंचों ने किसानों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया। किसानों की आय दोगुनी करने और खेती की लागत घटाने के लिए प्रत्येक विकासखंड में दो-दो तकनीकी दलों का गठन किया गया है। ये दल गाँवों में पहुंचकर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव,मृदा स्वास्थ्य कार्ड (Soil Health Card) के आधार पर संतुलित उर्वरक और हरी खाद का उपयोग,स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा और फसल च क परिवर्तन, दलहन आत्मनिर्भरता और ऑयल पॉम मिशन की जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा